RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
बोकारो, शनिवार
09.5.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 197
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सोमनाथ मंदिर हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प: पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को उन्हें एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलेगा। उन्होंने इसे भारत की सभ्यता और आस्था की महानता का प्रतीक बताया और उन विभूतियों एवं वीरों को नमन किया जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी सोमनाथ की रक्षा की और उसकी शान को पुनर्जीवित किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में सोमनाथ पर लिखे अपने लेख को साझा करते हुए कहा कि यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावन स्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। समुद्र की लहरें हमें यह सिखाती हैं कि चाहे कितने भी तूफान क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। प्रभास की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है और यहां आने वाले श्रद्धालु उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का अनुभव करते हैं, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। प्रधानमंत्री ने उन असंख्य विभूतियों का स्मरण किया जिन्होंने आक्रमणों के बीच भी सोमनाथ की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों से लेकर महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, भाव बृहस्पति, पाशुपताचार्य, विशालदेव वाघेला, त्रिपुरांतक, महिपाल चूड़ासमा, राव खंगार चूड़ासमा और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इन सबने कठिन समय में भी भक्ति और परंपरा को जीवित रखा। उन्होंने वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों को भी नमन किया। प्रधानमंत्री ने अपने लेख में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार बल्लभ भाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि 13 नवंबर 1947 को सरदार पटेल ने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने समुद्र का जल हाथ में लेकर यह प्रतिज्ञा की थी कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। दुर्भाग्यवश वह इस सपने को साकार होते नहीं देख सके, लेकिन उनके विजन को केएम मुंशी ने आगे बढ़ाया और 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा हुआ। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उद्घाटन समारोह में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें अक्टूबर 2001 का वह समय याद है जब मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने दायित्व संभाला था। उसी वर्ष सरदार पटेल की जयंती पर सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का आयोजन हुआ था जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी उपस्थित थे। उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नीतीश कुमार से मिल सीएम सम्राट चौधरी

एजेंसी, पटना । बिहार मेंराज्य मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों का बंटवारा किये जाने के बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को नीतीश कुमार के आवास 7 सर्कुलर रोड पहुंचे। यहां दोनों की मुलाकात हुई और लगभग आधे घंटे तक दोनों एक दूसरे के साथ बैठे। माना जा रहा है कि विभागों से जुड़े बंटवारे और अन्य सियासी मुद्दों को लेकर नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी ने अहम बात हुई। दोनों के बीच करीब 30 मिनट की मुलाकात हुई। मंत्रिमंडल विस्तार में नीतीश कुमार के बेटे निशांत को भी मंत्री बनाया गया है। उन्हें स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा दिया गया है। इसके अतिरिक्त जदयू कोटे के कई अन्य मंत्रियों को प्रमुख विभाग दिया गया है। इन सब मुद्दों को लेकर नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी में अह्म चर्चा होने की खबर है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद कुछ दिनों के अंतराल में हमेशा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलते रहे है। पिछले दिनों दिल्ली से मंत्रिमंडल की सूची लेकर पटना लौटने पर उन्होंने वहां से आते ही नीतीश कुमार से मुलाकात की थी उनके साथ ललन सिंह भी उस वक्त मौजूद थे।

शिक्षक भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़कर पीटा

एजेंसी, पटना

पटना में शुक्रवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के अभ्यर्थियों को पुलिस ने सड़कों पर दौड़ा-दौड़कर पीटा है। इस दौरान कई के सिर फटे हैं। आज सुबह 10 बजे अभ्यर्थियों वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने जेपी गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार अभ्यर्थियों शामिल हुए थे। लाठीचार्ज से पहले पुलिस ने अभ्यर्थियों को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। अभ्यर्थियों बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इसके बाद पुलिस ने सीधे लाठीचार्ज कर दिया। छात्र नेता दिलीप ने बातचीत में कहा कि अभ्यर्थियों को बरगलाया जा रहा है। बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि टीआरई-4 का विज्ञापन तीन-चार दिनों में जारी कर दिया जाएगा और 25-26 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब 8 मई हो चुका है और अभी तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस बाबत बातचीत में कहा कि, हम सबको मिलकर बिहार को बदलना है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी समस्या का जल्द सामाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, बिहार के हर लोगों को शिक्षित करना है। उल्लेखनीय है कि टीआरई-4 के तहत कुल 46,595 पदों पर भर्ती की जाएगी। बिहार लोक सेवा आयोग को इसके लिए अधियाचना पिछले फरवरी महीने में ही मिल चुकी थी। जिसे शिक्षा विभाग की ओर से वापस ले लिया गया और इसे वार्षिक कैलेंडर में भी शामिल कर लिया गया है।

नेपाल में बस्तियां खाली कराए जाने का विरोध, देश भर में भूमिहीनों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी, काठमांडू । नेपाल में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के बाद देशभर के भूमिहीन लोग सड़क पर उतर आए हैं। काठमांडू की 16 बस्तियों से नौ दिनों में 15 हजार से अधिक लोग विस्थापित किये जा चुके हैं। सरकारी और सार्वजनिक जमीन पर बने अनधिकृत ढांचों को हटाने के लिए जारी 35 दिन की नोटिस के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं। काठमांडू से नौ दिन पहले शुरू हुआ बस्ती खाली कराने का अभियान अब पूरे देश में चलाने की तैयारी है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के विरोध में भूमिहीन तथा अव्यवस्थित लोगों ने शुक्रवार को बुटवल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सरकार पहले वास्तविक भूमिहीन और अव्यवस्थित बसोबासियों की पहचान करे और पिछली सरकारों के दौरान भूमि आयोग की तय व्यवस्था के अनुसार उन्हें व्यवस्थित कर लालपुर्जा (मालिकाना प्रमाणपत्र) उपलब्ध कराए। ूमिहीन संघर्ष समिति के संयोजक खगेन्द्र पौडेल ने कहा कि सरकार ने बिना किसी तैयारी और विकल्प के डोजर चलाकर लोगों में आतंक फैलाया है।

झारखंड के पांच जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी, रांची

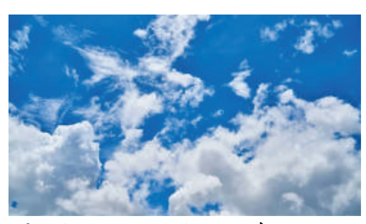

झारखंड के पांच जिलों में शनिवार को तेज बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार कई क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। राज्य के मध्यवर्ती जिलों रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग और बोकारो में बारिश के साथ ओलावृष्टि और वज्रपात होने की संभावना है। विभाग ने शुक्रवार को भी राज्य के उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 43.8 मिलीमीटर बारिश हजारीबाग जिले के कोनार डीवीसी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा राज्य के कई अन्य इलाकों में भी मध्यम दर्जे की वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके क्षेत्र में 15.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, हालांकि बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहे। मौसम साफ होने के कारण दोपहर के समय लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा।

सुवेंदु होंगे पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री

- विधायक दल की बैठक में चुने गए नेता, अमित शाह ने किया नाम का ऐलान

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया।

विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान शाह ने मंच पर सुवेंदु अधिकारी को माला पहनाकर गले लगाया और जीत की बधाई दी। सुवेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सुवेंदु अधिकारी ने इस विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हराकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इसके अलावा उन्होंने नंदीग्राम सीट से भी लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। वर्ष 2021 के चुनाव में भी उन्होंने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को पराजित किया था।

4 मई को घोषित विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 294 में से 207 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 80 सीटों पर सिमट गई। राज्य में पहली बार भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। हालांकि, फालता विधानसभा सीट पर मतदान स्थगित होने के कारण वहां 21 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा, जबकि परिणाम 24 मई को घोषित होंगे।

अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला में 3.6 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी, इटानगर । अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला में शुक्रवार को दोपहर बाद मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, अरुणाचल में 04 बजकर 05 मिनट 52 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र पापुम पारे जिला में जमीन के अंदर 05 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 27.390 उत्तरी अक्षांश तथा 93.853 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

बिहार में लीची की फसल को खतरा, कृषि मंत्रालय ने किया टास्क फोर्स का गठन

एजेंसी, नई दिल्ली

बिहार में लीची की फसल पर मंडरा रहे "लीची स्टिंग बग" के खतरे को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। फसल को हो रहे भारी नुकसान का मामला अब केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। इसको लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टास्क फोर्स का गठन किया है जो लीची स्टिंग बग के प्रकोप का आकलन करेगी।मुजफ्फरपुर के राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक को कार्यबल का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कार्यबल में नौ सदस्य बनाए गए हैं जिसमें बिहार सरकार के उद्यान-सह-बिहार राज्य बागवानी मिशन के निदेशक, बिहार सरकार द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि, कृषि विभाग के निदेशक , बिहार सरकार द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिक, समस्तिपुर द्वारा नामति उनके प्रतिनिधि, प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान), बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि सदस्य, एकीकृत बागवानी विकास मिशन द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि सदस्य, डॉ. जयपाल सिंह चौधरी (वैज्ञानिक) एवं अन्य नाम शामिल हैं। दरअसल, सात मई को शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में आईसीएआर - सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉटीकल्चर लखनऊ में आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम के दौरान बिहार के लीची उत्पादक जिलों से आए किसानों ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया।

किसानों ने बताया कि लीची स्टिंग बग के प्रकोप से फलों की गुणवत्ता खराब हो रही है और उत्पादन में भी भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इससे बागवानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए लीची स्टिंग बग के प्रकोप का आकलन करने के लिए विशेषज्ञ कार्यबल गठित करने की मांग की गई है।

भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर, ड्रोन निर्माण में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा गूगल : वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली । सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गूगल के अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि कंपनी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में भी अवसरों का आकलन कर रही है। वैष्णव ने कहा, "गूगल भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर तथा ड्रोन के निर्माण के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है।" विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल देश में उभरते एआई इकोसिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इसी वर्ष अप्रैल में गूगल ने विशाखापत्तनम में अपने 15 अरब डॉलर के एआई हब की आधारशिला रखी थी। सरकार पहले से ही सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठा रही है।

बिहार में मंत्रियों को सौंपा गया दायित्व

नीतीश के बेटे निशांत को स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा

एजेंसी, पटना

सम्राट चौधरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद देररात विभागों का बंटवारा हो गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग, सामान्य प्रशासन, निगरानी सहित कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे हैं। शिक्षा विभाग हमेशा जदयू कोटे में हुआ करता था और स्वास्थ्य विभाग भाजपा के पास। इस बार दोनों बदल गए हैं। स्वास्थ्य विभाग जदयू के खाते में और शिक्षा विभाग भाजपा के कोटे में चला गया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग का दायित्व सौंपा गया है। भाजपा के मिथिलेश तिवारी को शिक्षा मंत्री बनाया गया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को कृषि मंत्री बनाया गया है। नीतीश मिश्रा को नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। दिलीप जायसवाल को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग दिया गया है। रामकृपाल यादव को सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। बुलो मंडल को ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। इंजीनियर शैलेन्द्र कुमार पथ निर्माण मंत्री बनाया गया है। विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री बनाया गया है। लेशी सिंह को भवन निर्माण मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। श्रवण कुमार का विभाग यथावत रहा, उन्हें ग्रामीण विकास मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। दामोदर रावत परिवहन मंत्री बनाए गए हैं। संजय सिंह टाइगर को उच्च शिक्षा और विधि विभाग मिला है। अशोक चौधरी को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। भगवान सिंह कुशवाहा को योजना एवं विकास मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। मदन सहनी को मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन, संतोष कुमार सुमन को लघु जल संसाधन, रमा निषाद को पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। रत्नेश सदा को आपदा प्रबंधन, शीला मंडल को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकि शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। केदार प्रसाद गुप्ता को पर्यटन, सुनील कुमार को ग्रामीण कार्य, श्रेयसी सिंह को उद्योग एवं खेल मंत्री बनाया गया है।एक मात्र अल्पसंख्यक मंत्री मो. जमा खान को अल्पसंख्यक कल्याण, नंद किशोर राम को डेयरी, मतस्य पशु संसाधन, प्रमोद कुमार को खान एवं भूतत्व-कला एवं संस्कृति विभाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वेता गुप्ता को समाज कल्याण, दीपक प्रकाश को पंचायती राज, संजय कुमार को गन्ना उद्योग, संजय कुमार सिंह को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और रामचंद्र प्रसाद को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी दी गई है।

शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज तक तनाव, अमेरिका ने किया हवाई हमला, ईरान ने भी दिया जवाब

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य तक तनाव बढ़ गया है। ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तटीय जलक्षेत्र में एक ईरानी तेल टैंकर और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास दूसरे जहाज को निशाना बनाया। इसके अलावा दक्षिणी ईरान के बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के नागरिक इलाकों में अमेरिका की वायुसेना ने हवाई हमला किया। ईरान का दावा है कि उसने दुश्मन को माकूल जवाब दिया। अल जजीरा, इरना और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने आत्मरक्षा के लिए यह कदम उठाया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके नौसैनिक बलों पर मिसाइलों, ड्रोन और तेज गति वाली नावों से हमला किया। इसलिए हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों को "प्यार भरा थप्पड़" बताया है। उन्होंने कहा कि "सैन्य विराम जारी है। यह प्रभावी है।" उन्होंने पत्रकारों से कहा: "ईरान ने हमसे पंगा लिया। हमने उन्हें उड़ा दिया।" ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान युद्ध खत्म करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने की बात तो कह रहा है पर वह होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण औपचारिक रूप से स्थापित करने की भी कोशिश कर रहा है। शिपिंग इंटेलिजेंस फर्म 'लॉयड्स लिस्ट' का कहना है कि जलडमरूमध्य अब बंद हो गया है। ईरान का कहना है कि उसने हाल ही में एक नई एजेंसी बनाई है। वह यहां से गुजरने वाले जहाजों को मंजूरी देने का काम करेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। इन कूटनीतिक प्रयासों के बीच, अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें गुरुवार को लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहीं। युद्ध शुरू होने से पहले यह कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल थी। तेहरान के साथ ताजा तनाव के बीच फ्लोरिडा के टैम्पा स्थित सेंट्रल कमांड ने बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि ताजा हवाई हमला आत्मरक्षा के लिए किया गया।

इंटर साइंस रिजल्ट पर उठा सवाल, सिंहभूम कॉलेज में पढ़ाई बंद होने से छात्रों का भविष्य अधर में

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : सिंहभूम कॉलेज चांडिल में इंटर साइंस का परीक्षा परिणाम खराब आने के बाद छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। कॉलेज में इस वर्ष जैक इंटरमीडिएट साइंस संकाय के करीब 220 विद्यार्थियों में से लगभग 110 छात्र-छात्राएं असफल घोषित हुए हैं। पहले जहां कॉलेज का रिजल्ट करीब 75 प्रतिशत रहता था, वहीं इस बार लगभग 50 प्रतिशत छात्र फेल हो गए हैं। परिणाम सामने आने के बाद अब इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद किए जाने की बात ने छात्रों के भविष्य को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील मुर्मु ने खराब परिणाम के लिए प्रश्न पत्र को कठिन और फिजिक्स विषय में प्रोफेसर की कमी को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि फिजिक्स विभाग में शिक्षकों की कमी के कारण थ्योरी और लैब दोनों प्रभावित हुए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कई छात्र नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं होते थे, जिससे पढ़ाई पर असर पड़ा। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें कॉलेज का प्रभार संभाले अभी केवल तीन-चार महीने हुए हैं, इसलिए पूरे मामले को समझने का पर्याप्त समय नहीं मिला।

इधर प्राचार्य के इस बयान के बाद क्षेत्र में नाराजगी बढ़ गई है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश रंजन महतो ने कहा कि चांडिल अनुमंडल के ईचागढ़, नीमडीह, कुकड़ू और चांडिल प्रखंड सहित पश्चिम बंगाल के कई छात्र इसी कॉलेज पर निर्भर हैं। ऐसे में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद होने से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होगा। सहज जन लोक कल्याण जागृति संगठन ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि इंटर की पढ़ाई बंद करनी थी तो छात्रों का नामांकन क्यों लिया गया।

सबसे बड़ी चिंता उन 110 विद्यार्थियों को लेकर है जो इस वर्ष असफल हुए हैं। अभिभावकों का कहना है कि अब ये छात्र कंपार्टमेंट या अगली परीक्षा के लिए फॉर्म कहां से भरेंगे और पढ़ाई कैसे जारी रखेंगे। उन्होंने मांग की है कि सरकार या जैक बोर्ड वैकल्पिक व्यवस्था करे, ताकि छात्रों का एक वर्ष बर्बाद न हो। वहीं प्राचार्य ने कहा कि आगे की प्रक्रिया पूरी तरह जैक बोर्ड के निर्णय पर निर्भर करेगी और कॉलेज के पास इस संबंध में कोई अधिकार नहीं है।

प्राचार्य के बयान के बाद अभिभावकों और सामाजिक संगठनों में आक्रोश बढ़ गया है। जिला प्रशासन से मामले की जांच और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की जा रही है।

विधायक सरयू राय ने राज्यपाल संतोष गंगवार को 'गंगा दशहरा' कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के सदस्य सरयू राय ने रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान विधायक सरयू राय ने राज्यपाल को 25 मई को चूल्हापानी में आयोजित होने वाले गंगा दशहरा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा और आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। 'गंगा दशहरा' के अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है।

सरायकेला: सिंहभूम कॉलेज चांडिल - नया भवन मिला पर मूलभूत सुविधाएं गायब, जर्जर शौचालय से हादसे का खतरा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : सिंहभूम कॉलेज चांडिल में नया भवन मिलने के बावजूद बुनियादी सुविधाओं की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। कॉलेज परिसर में शौचालय निर्माण और आवश्यक सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। पुराने भवनों और पूरे परिसर के सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

जर्जर शौचालय, हादसे की आशंकाः-कॉलेज के शौचालय बेहद जर्जर हालत में हैं। कई शौचालय टूट-फूट की कगार पर पहुंच चुके हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। छात्र-छात्राओं ने बताया कि शौचालय का उपयोग करना भी अब खतरे से खाली नहीं है। दरवाजे टूटे हैं, छत से प्लास्टर गिर रहा है और गंदगी का अंबार है।

विद्यार्थियों का कहना है कि इस अव्यवस्था का सीधा असर उनकी पढ़ाई पर पड़ रहा है।

एकाग्रता और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे शैक्षणिक माहौल प्रभावित हो रहा है। खासकर छात्राओं को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई छात्राएं शौचालय की खराब हालत के कारण क्लास बंक करने को मजबूर हैं।

प्रबंधन से मरम्मत की मांगः- छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन एवं संबंधित विभाग से जल्द शौचालयों की मरम्मत, नए निर्माण तथा पूरे परिसर के सुदृढ़ीकरण की मांग की है। स्थानीय अभिभावकों और क्षेत्र के लोगों ने भी इस गंभीर समस्या पर चिंता जताई है। अभिभावकों का कहना है कि नए भवन का उद्घाटन कर दिया गया, लेकिन पुरानी समस्याएं जस की तस हैं।

इंटर रिजल्ट पहले से खराबः- गौरतलब है कि इसी कॉलेज का इंटर साइंस का रिजल्ट 50% रहा है और इंटर की पढ़ाई बंद होने की बात भी सामने आई है। अब मूलभूत सुविधाओं की कमी से छात्रों का भविष्य और अधर में दिख रहा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत निजी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्य प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ः शुक्रवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार, रामगढ़ में सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत जिले के निजी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्य प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले मरीजों का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) कार्ड बनाना अनिवार्य है तथा स्वास्थ्य संस्थानों में इससे संबंधित आईईसी गतिविधियों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।सिविल सर्जन ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से संबंधित भारत सरकार के पोर्टल पर सभी निजी अस्पतालों का पंजीकरण कराना आवश्यक है। उन्होंने निजी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक जानकारियां समय पर उपलब्ध कराएं।बैठक में उपस्थित राज्य स्तरीय टीम द्वारा जानकारी दी गई कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत पंजीकृत सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का डाटा पूरी तरह सुरक्षित एवं गोपनीय रखा जाता है। टीम द्वारा बताया गया कि जिस प्रकार अन्य क्षेत्रों में डिजिटलीकरण के माध्यम से सेवाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाया गया है, उसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर आमजनों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना भारत सरकार का उद्देश्य है।बैठक के दौरान राज्य स्तरीय टीम एवं जिला प्रशासन द्वारा निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व, आभा कार्ड निर्माण एवं पोर्टल पंजीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूर्ण करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।इस अवसर पर जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. उदय शंकर श्रीवास्तव ने निजी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।बैठक में राज्य स्तरीय टीम से डॉ. रंजन सिन्हा, कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफिसर, , एवं यश नंदे, बिजनेस एनालिस्ट (आईटी), उपस्थित थे। वहीं जिला स्तर से जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. उदय शंकर श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, केयर एचएमआईएस के प्रतिनिधि तथा जिले के विभिन्न निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने की गौ सेवा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गौ सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। गौ माता को भारतीय संस्कृति में मां का दर्जा दिया गया है। गौ की सेवा से न केवल पुण्य मिलता है, बल्कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और समाज में संतुलन भी बना रहता है। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से सत्र (2026-27) के अंतर्गत प्रति माह आयोजित होने वाले गौ सेवा कार्यक्रम शुक्रवार को की गई। हरमू रोड स्थित रांची गौ न्यास गौशाला में यह सेवा कार्य शाखा की सक्रिय सदस्या कोमल पोद्दार की ओर से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान गौ माता को लाल साग, मूली, चारा सहित अन्य खाद्य सामग्री खिलाकर गौ सेवा की गई। शाखा की सभी महिला सदस्यों ने श्रद्धा और सेवा भाव से सहभागिता निभाई और गौ सेवा के माध्यम से पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्षा शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका, कविता सोमानी, सौम्या सामोता, कोमल पोद्दार, वेदिका सिंघानिया, निशी सराफ, शिल्पी लोहिया, पायल जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थीं।

वर्षों की उपेक्षा के बाद जागी विरासत की पहचान, प्राचीन खीरी बौद्ध मठ में भगवान बुद्ध प्रतिमा स्थापना से क्षेत्र में उत्साह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। प्राचीन खीरी बौद्ध मठ, बनतारा मठवा टांड़ गोला में शुक्रवार को भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्थापना समारोह श्रद्धा, आस्था और ऐतिहासिक गौरव के माहौल में संपन्न हुआ। वर्षों से उपेक्षा का शिकार रहे इस प्राचीन स्थल को नया स्वरूप देने और बौद्ध विरासत को बचाने की दिशा में यह पहल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक मानी जा रही है। सुबह 10 बजे से शुरू हुआ कार्यक्रम देर रात तक भक्ति, बुद्ध वंदना और सांस्कृतिक माहौल के बीच चलता रहा।मुख्य अतिथि भंते विनाचार्य, महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन बोधगया ने भगवान गौतम बुद्ध के जीवन, त्याग, करुणा और अहिंसा के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बुद्ध ने पूरी दुनिया को शांति, समानता और मानवता का मार्ग दिखाया। सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज जरूरत बुद्ध के विचारों को समाज में फिर से स्थापित करने की है।समारोह में बेटूलकला पंचायत के मुखिया जाकिर अख्तर सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस ऐतिहासिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल प्रतिमा स्थापना नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान और विरासत को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचीन खीरी बौद्ध मठ समिति और कार्यकारिणी सदस्यों कमलेश कुमार पिंगले, चतुर्भज कश्यप, लखिन्द्र कुशवाहा, अमर लाल महतो, करमु नायक, कमलेश कुमार कुशवाहा, साधु महतो, उत्तम कुमार कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, महेन्द्र प्रसाद, जगरनाथ चौधरी, अशोक कुमार, जगमोहन मुण्डा, महेन्द्र कुमार महतो, सुबोध महतो, जयंत कुशवाहा, कुन्दन कुशवाहा एवं हरि कुमार का सराहनीय योगदान रहा। क्षेत्र में इस आयोजन को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

लोगो ने पर्यटन विभाग से की मांग

कार्यक्रम के दौरान आए लोगों ने पर्यटन विभाग से मंदिर को ओर प्रख्यात रूप दिलाने के पहल करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि उक्त मठ वर्षों पुराना है।ओर इसी मठ के नाम पर उक्त जगह का नाम मठवाटाड पड़ा था।जिसके बाद लोग इसे इसी नाम से जानने लगे।साथ ही अगर मंदिर का जीर्णोद्धार हो जाएगा तो आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा के प्रति लोगों की आस्था बढ़ेगी।

साप्ताहिक जनता दरबार में समस्याओं का निपटारा, शिकायतों पर जल्द होगी कार्रवाई।

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त श्री नीतिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों से क्रमवार मिलकर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया।

जनता दरबार में मुख्य रूप से गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत लाल बिल्डिंग के समीप सड़क अतिक्रमण कर आवागमन बाधित करने, चांडिल स्थित बामणी नदी मुक्ति धाम की जर्जर स्थिति के दृष्टिगत मरम्मतीकरण एवं संपर्क पथ की मरम्मत, धान अधिप्राप्ति, राइट टू एजुकेशन एक्ट के तहत निजी विद्यालयों में नामांकन, ईचागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री तथा बालू उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने, राजनगर प्रखंड में जच्चा-बच्चा मृत्यु प्रकरण में लापरवाही बरतने वाले संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी, एएनएम एवं कर्मियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आंगनबाड़ी केंद्र मांझी टोला, आदित्यपुर में सेविका चयन में अनियमितता से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य आपूर्ति एवं जन वितरण प्रणाली से जुड़े विभिन्न मामलों पर भी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

प्राप्त आवेदनों में से कई मामलों का त्वरित निष्पादन ऑन-द-स्पॉट किया गया। शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को जांचोपरांत समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राजरप्पा मंदिर परिसर के प्रस्तावित पुनर्विकास एवं विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ः राजरप्पा मंदिर परिसर के प्रस्तावित पुनर्विकास कार्यों एवं विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास को लेकर आज उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड सरकार के माननीय दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा, विधायक रामगढ़ ममता देवी, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, न्यास समिति के सदस्य, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, दुकानदार समिति के सदस्य सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।माननीय उच्च न्यायालय झारखंड द्वारा पारित आदेश के आलोक में बैठक के दौरान राजरप्पा मंदिर परिसर के समग्र पुनर्विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से मंदिर परिसर में वर्तमान में संचालित दुकानों, विस्थापित होने वाले दुकानदारों के पुनर्वास एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।इस दौरान अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि विस्थापित दुकानदारों के लिए अस्थायी रूप से मंदिर परिसर में कुल 271 दुकानों का निर्माण कराया जाएगा, ताकि पुनर्विकास कार्यों के दौरान दुकानदारों की आजीविका प्रभावित न हो तथा श्रद्धालुओं को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।बैठक को संबोधित करते हुए माननीय दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा ने कहा कि राजरप्पा मंदिर झारखंड की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर परिसर के विकास के साथ-साथ स्थानीय दुकानदारों एवं आम लोगों के हितों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। सभी कार्य आपसी समन्वय एवं सहमति से किए जाएंगे। विधायक ममता देवी ने कहा कि पुनर्विकास कार्यों के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी दुकानदार को अनावश्यक परेशानी न हो। श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के साथ स्थानीय लोगों के रोजगार एवं हितों का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।उपायुक्त ऋतुराज ने बैठक के दौरान कहा कि राजरप्पा मंदिर परिसर के पुनर्विकास का उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास की प्रक्रिया व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुकानदारों के पुनर्वास, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। साथ ही सभी संबंधित पक्षों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।बैठक के दौरान मंदिर प्रबंधन समिति एवं दुकानदार समिति के सदस्यों ने भी अपने सुझाव एवं समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं, जिस पर उपायुक्त ने सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

ट्रेजरी से अवैध निकासी मामले में बोकारो पहुंची उच्च स्तरीय टीम, खंगाले दस्तावेज

» प्रधान सचिव अमिताभ कौशल के नेतृत्व में हुई मैराथन जांच, फाइलें साथ ले गई टीम

» एसपी कार्यालय और ट्रेजरी का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो ट्रेजरी से वेतन मद में हुई करोड़ों की कथित अवैध निकासी के गंभीर मामले की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय टीम शुक्रवार को बोकारो पहुंची। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के प्रधान सचिव अमिताभ कौशल के नेतृत्व में आई इस टीम ने बोकारो परिसदन को अपना केंद्र बनाकर जांच की प्रक्रिया शुरू की। राज्य सरकार के कड़े रुख के बाद शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य वित्तीय नियमों के उल्लंघन और गड़बड़ी के वास्तविक बिंदुओं की पहचान करना है। जिला और पुलिस प्रशासन ने टीम द्वारा मांगे गए सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं, जिनका सुबह से ही गहन अध्ययन किया गया। इस दौरान मीडिया से मुखातिब प्रधान सचिव श्री कौशल ने स्पष्ट किया कि जांच का दायरा विस्तृत है और आवश्यकतानुसार पूरक जानकारियां भी मांगी गई हैं। उन्होंने कहा कि जांच दल द्वारा झारखंड ट्रेजरी कोड, पुलिस मैनुअल, झारखंड फाइनेंस रूल और वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों को मानक मानकर फाइलों की पड़ताल की जा रही है। जांच के दौरान जिन बिंदुओं पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता महसूस हुई, उनके संबंध में संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की गई। टीम अपने साथ हजारों पन्नों की प्रमाणित प्रतियां रांची ले जा रही है, जहां इनका सूक्ष्म विश्लेषण किया जाएगा।

जरूरत पड़ी तो दोबारा जांच को आएगी टीम : प्रधान सचिव-प्रधान सचिव ने संकेत दिया कि दस्तावेजों के मिलान और अध्ययन के पश्चात यदि आवश्यक हुआ, तो जांच टीम पुनः बोकारो का दौरा कर सकती है।

प्रधान सचिव श्री कौशल ने टीम के साथ कैंप टू स्थित पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने लेखा शाखा, हेड क्लर्क कक्ष, अकाउंटेंट कक्ष और सामान्य शाखा का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके उपरांत टीम ने बोकारो ट्रेजरी का भी रुख किया, जहां विपत्र प्राप्ति केंद्र सहित विभिन्न कमरों का अवलोकन कर कार्यप्रणाली को समझा। टीम ने स्वीकृत एवं कार्यरत बल का विवरण, बजट आवंटन संचिका, मास्टर रोल पंजी, अस्थायी पहचान संख्या (टेम्परेरी आईडी) और बैंक खातों के लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेख अपने साथ ले लिए हैं। विशेष रूप से उच्च वेतन खातों और सेवानिवृत्त कर्मियों के भविष्य निधि से जुड़े दस्तावेजों पर टीम की पैनी नजर है।

अफसरों ने जांच में किया सहयोग-इस महत्वपूर्ण जांच प्रक्रिया के दौरान राज्य स्तरीय टीम में उप महालेखाकार भार्गव राम ख्याति, उप सचिव ज्योति कुमारी झा, अवर सचिव कपिल देव पंडित और आईटी विशेषज्ञ उपस्थित रहे। वहीं जिले की ओर से उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार और अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने टीम को जांच में सहयोग प्रदान किया। बैठक और निरीक्षण के दौरान ट्रेजरी और पुलिस प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन की इस सक्रियता से उम्मीद जगी है कि सरकारी धन की गड़बड़ी में शामिल तत्वों की पहचान जल्द सुनिश्चित हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक डॉ लंबोदर ने स्टेट टॉपर छोटी कुमारी को किया सम्मानित

कसमार (बोकारो) : गोमिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने शुक्रवार को कसमार प्रखंड के

खैराचातर पहुंचकर इंटरमीडिएट 2026 की परीक्षा में कला संकाय की स्टेट टॉपर छोटी कुमारी को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने छोटी कुमारी का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद छोटी ने अपनी कठिन परिश्रम से स्टेट टॉपर कर यह सिद्ध कर दिया है कि किसी लक्ष्य के प्रति पूरी ईमानदारी से मेहनत करने से उसे सफल मुकाम जरूर मिलती है। इस दौरान उन्होंने छोटी के माता पिता को भी सम्मानित करते हुए कहा कि अभिभावकों का यह कर्तव्य है कि कठिन एवं विषम परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा के लिए वे हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि आगे की पढ़ाई में जिस तरह की मदद की जरूरत हो, वे हर संभव मदद करेंगे, ताकि अर्थाभाव में उसकी उच्च शिक्षा बाधित न हो। मौके पर कसमार प्रखंड उत्तरी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, स्थानीय मुखिया विजय जायसवाल, सिंहपुर मुखिया प्रतिनिधि घनश्याम महतो, अशोक सिंह व अन्य लोग मौजूद थे।

सड़क पर हाइवा को मौत बनाकर दौड़ा रहा था नशेड़ी ड्राइवर, बड़ा हादसा टला

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल-कंजकिरो सड़क मार्ग पर शुक्रवार की सुबह एक बड़ी अनहोनी टल गई, जिसका मुख्य कारण एक हाइवा चालक की घोर लापरवाही और नशे की स्थिति थी। सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी से कुछ आगे हाइवा संख्या जेएच05 डीयू 3942 का चालक सड़क पर वाहन को अनियंत्रित तरीके से लहराते हुए चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा की गति और दिशा इतनी खतरनाक थी कि सामने से आ रहे किसी भी वाहन का उससे टकराना निश्चित था। इसी दौरान सामने से कोयला लदा एक ट्रक आ रहा था, जिसके चालक की त्वरित सोच ने एक बड़े खूनी संघर्ष को टाल दिया। सामने से काल बनकर आ रहे हाइवा को देख कोयला लदे ट्रक (जेएच09 एके 8447) के चालक गुलाम फरीद ने अद्भुत सूझबूझ का परिचय दिया। आमने-सामने की सीधी और भीषण टक्कर से बचने के लिए उन्होंने अपने ट्रक को सड़क से नीचे उतार दिया।

विदित हो कि गुरुवार को हुई भारी बारिश के कारण सड़क किनारे की मिट्टी पूरी तरह नरम होकर दलदल में तब्दील हो चुकी थी। जैसे ही ट्रक नीचे उतरा, उसका एक हिस्सा भारी वजन के कारण कीचड़ में बुरी तरह धंस गया और ट्रक तिरछा हो गया। संयोगवश, इस पूरी घटना में ट्रक के चालक और खलासी सुरक्षित रहे और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही बोकारो थर्मल थाना की पेट्रोलिंग टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के पहुँचने से पहले ही लापरवाह हाइवा चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहा। दलदल में बुरी तरह फंसे होने के कारण समाचार लिखे जाने तक ट्रक को बाहर नहीं निकाला जा सका है। भारी वजन और कीचड़ के कारण इसे निकालने के लिए विशेष क्रेन की आवश्यकता पड़ सकती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन सड़क पर नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाने की बात कही गई है।

वेज रिवीजन सहित कई मामलों को सड़क पर उतरे मजदूर, बीएकेएस ने निकाली रैली

» लगाया आरोप- निरंतर रिकॉर्ड के बावजूद अधिकारों से वंचित किए जा रहे इस्पातकर्मी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने शुक्रवार को प्रबंधन की कथित शोषणकारी नीतियों के विरुद्ध अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। संगठन के बैनर तले हजारों की संख्या में जुटे कर्मियों ने एक विशाल आक्रोश रैली निकालकर प्रबंधन को चेतावनी दी। यह रैली सेक्टर-4 स्थित मजदूर मैदान से प्रारंभ होकर एडीएम भवन के समक्ष धरना स्थल पर एक विशाल सभा के रूप में परिवर्तित हो गई। रैली में शामिल कर्मचारी हाथों में अपनी मांगों की तख्तियां लिए हुए थे और गगनभेदी नारों के माध्यम से सेल कॉर्पोरेट कार्यालय और स्थानीय बीएसएल प्रबंधन के विरुद्ध अपना रोष प्रकट कर रहे थे।

बीएकेएस ने इस प्रदर्शन के माध्यम से सेल कॉर्पोरेट स्तर के 34 और स्थानीय बीएसएल प्रबंधन से जुड़े 30 प्रमुख मुद्दों को उठाया है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में वेज रिवीजन 2017 का एमओए (मैमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) करने, फिटमेंट तथा पर्क्स का बकाया एरियर भुगतान करने, बोनस फॉर्मूले में बदलाव करने और इंसेंटिव स्कीम को संशोधित करने जैसे आर्थिक मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों ने एनजेसीएस की कार्यप्रणाली में सुधार, स्थानांतरित कर्मियों की घर वापसी, वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) को सार्वजनिक करने, एसईएसबीएफ का पैसा वापस करने और लंबे समय से लंबित यूनियन चुनाव कराने की पुरजोर मांग की। आक्रोश प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आवास आवंटन प्रणाली में पारदर्शिता लाने, बीजीएच (बोकारो जनरल अस्पताल) की चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने, छुट्टियों की संख्या बढ़ाने, एक्टिंग अलाउंस और ओवरटाइम भत्ते को पुनः शुरू करने जैसे विषयों पर प्रबंधन को घेरा। कर्मचारियों का कहना था कि उत्पादन और उत्पादकता में निरंतर रिकॉर्ड बनाने के बावजूद उन्हें उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। कतारबद्ध होकर चल रहे सदस्यों ने संदेश दिया कि श्रमिक एकता अब अपने हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता करने के मूड में नहीं है।

हड़ताल और टूल डाउन की दी चेतावनी-धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप कुमार और कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव ने प्रबंधन को कड़े लहजे में चेतावनी दी। महासचिव हरिओम ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि यदि प्रबंधन ने समय रहते मांगों पर विचार नहीं किया, तो संगठन विधिवत हड़ताल, टूल डाउन और काम रोको जैसे कठोर कदम उठाने पर विवश होगा। उन्होंने कहा कि दिन-रात मेहनत बीएसएल और सेल के कर्मचारी करते हैं, लेकिन उसका लाभ दिल्ली में बैठे अधिकारियों और नीति निर्धारकों तक सीमित रहता है। अब यह अन्याय अधिक समय तक नहीं चलेगा और कर्मचारी अपना हक लेकर रहेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत आज, तैयारी पूरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के दिशा-निर्देशानुसार बोकारो जिले में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होने जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के सचिव अरुण कुमार दुबे ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। लोक अदालत का आयोजन मुख्य रूप से न्याय सदन, व्यवहार न्यायालय बोकारो तथा व्यवहार न्यायालय तेनुघाट में एक साथ किया जाएगा। इस विशेष मंच का उद्देश्य वर्षों से लंबित कानूनी उलझनों को आपसी संवाद और सुलभ समझौते के माध्यम से समाप्त करना है। इसमें विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का निष्पादन किया जाएगा। इसके अंतर्गत बैंक ऋण वसूली, मोटर दुर्घटना दावा (एमएसीटी), बिजली एवं पानी के बिल से जुड़े विवाद, पारिवारिक व वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, राजस्व संबंधी मामले, चेक बाउंस और बीमा दावों जैसे प्रकरणों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सुलझाया जाएगा। उन्होंने अधिकाधिक लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

सुरजुडीह में पुरना बांध जीर्णोद्धार कार्य का हुआ शिलान्यास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद के निर्देश पर शुक्रवार को प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम ने कसमार प्रखंड के सुरजुडीह पुरना बांध सरकारी तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। यह योजना कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तहत भूमि संरक्षण सर्वेक्षण कार्यालय बोकारो की ओर से सम्पन्न की जाएगी। इस दौरान बताया गया कि बंजर भूमि, राइस फेलो विकास योजना के तहत पानी पंचायत सुरजुडीह की ओर तालाब जीर्णोद्धार की जाएगी। उक्त योजना कुछ तकनीकी कारणों से पिछले डेढ़ साल से लंबित था, जिसे मंत्री योगेंद्र प्रसाद के निर्देश पर शुरू किया गया। बताया गया कि यह योजना बरसात से पूर्व पूरी कर ली जाएगी, ताकि सुरजुडीह के ग्रामीणों को नहाने से लेकर अन्य कार्यों में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। इस दौरान बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम ने बताया कि मंत्री योगेंद्र प्रसाद की सक्रियता से पूरे गोमिया विधानसभा क्षेत्र में कई तरह की विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। जल्द ही अन्य कई छोटी बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव सोहेल अंसारी, पानी पंचायत सुरजुडीह के अध्यक्ष देवाशीष मुखर्जी, सचिव सगीर आलम, मोबिन अंसारी, धनंजय स्वर्णकार, रियाज अंसारी, लालू करमाली, मंटू करमाली, विगु करमाली, विशुन करमाली, किसुन करमाली, गयाराम करमाली, गोविंद करमाली, तस्लीम अंसारी, तनवीर रजा, मलू करमाली व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

तैयार होकर भी बंद है बोकारो थर्मल का कम्युनिटी सेंटर, लाखों के सौंदर्यीकरण के बाद अब उद्घाटन का इंतजार

» एक दशक बाद 15 लाख की लागत से संवारी गई थी सेंटर की सूरत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल में डीवीसी कामगारों और स्थानीय नागरिकों की सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मरम्मत व सौंदर्यीकरण किया गया कम्युनिटी सेंटर अब केवल औपचारिक उद्घाटन की बाट जोह रहा है। पिछले एक दशक से जर्जर अवस्था में बंद पड़ा यह सेंटर अब पूरी तरह सज-धज कर तैयार है, लेकिन उद्घाटन की तिथि निश्चित न होने के कारण इसका लाभ क्षेत्र की जनता को नहीं मिल पा रहा है। डीवीसी प्रबंधन द्वारा किए गए इस जीर्णोद्धार से लोगों को अपने पारिवारिक और मांगलिक कार्यक्रमों के लिए एक सुविधायुक्त स्थान मिलने की उम्मीद जगी थी, जो फिलहाल प्रशासनिक विलंब की भेंट चढ़ती दिख रही है।

विदित हो कि डीवीसी प्रबंधन ने इस सेंटर के जीर्णोद्धार के लिए 26 लाख रुपये की निविदा निकाली थी, जिसे संवेदक ने लगभग 15 लाख रुपये की लागत से कुशलतापूर्वक पूर्ण किया है। कार्य के दौरान एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देशानुसार वरीय प्रबंधक (सिविल) सरफराज शेख की देखरेख में परिसर के पीछे से गंदगी व मलबे को हटाया गया, प्रवेश द्वार की नाली को ढंका गया और वाहनों के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग का निर्माण किया गया है। नवीनीकरण का यह कार्य पिछले सितंबर माह में शुरू किया गया था, जिसे अब पूर्णता प्रदान कर दी गई है।

उद्घाटन टलने से बढ़ी स्थानीय लोगों की मुश्किलें-पूर्व में इस कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन 28 फरवरी को डीवीसी के चेयरमैन एस. सुरेश कुमार द्वारा किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वह कार्यक्रम स्थगित हो गया। तब से अब तक उद्घाटन की कोई नई तिथि घोषित नहीं की गई है, जिससे स्थानीय लोगों में निराशा व्याप्त है। इस सेंटर के लंबे समय से बंद रहने के कारण डीवीसी कामगारों और आम नागरिकों को अपने पारिवारिक समारोहों के लिए निजी और महंगे मैरिज हॉलों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

प्रशासन से जल्द लोकार्पण की अपील-स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने डीवीसी प्रबंधन से मांग की है कि नवनिर्मित भवन का जल्द से जल्द उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया जाए। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी यदि भवन का उपयोग न हो सके, तो ऐसे सौंदर्यीकरण का कोई औचित्य नहीं रह जाता। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र ही इस दिशा में ठोस निर्णय लेगा ताकि मांगलिक कार्यों के लिए एक किफायती और सुविधायुक्त स्थान उपलब्ध हो सके।

कसमार : स्टेट टॉपर छोटी कुमारी के घर जाकर किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : इंटरमीडिएट कला संकाय की राज्य स्तरीय टॉपर खैराचातर निवासी छोटी कुमारी को शुक्रवार को विभिन्न संस्थाओं की ओर से सम्मानित किया गया। भारतीय जनता पार्टी की कसमार प्रखंड कमेटी के सदस्य छात्रा के आवास पहुंचे और उन्हें सम्मानित करने के साथ आर्थिक सहयोग देकर आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं बोकारो जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता देवी एवं भाजपा नेता सह पूर्व गोमिया विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मण नायक ने उनके घर जाकर छोटी को बुके देकर हौसला बढ़ाया। इस मौके पर भाजपा नेता लक्ष्मण कुमार नायक ने कहा कि छोटी कुमारी ने राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे कसमार क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर बेटियों की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। भाजपा हमेशा प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहेगी। जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता देवी ने छोटी की आगे की पढ़ाई में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। वहीं मध्य विद्यालय खैराचातर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में भी छोटी कुमारी को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित कुमार जायसवाल ने छात्रा की उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मुखिया विजय कुमार जायसवाल, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष जटल अड्डी, संयोजिका मीला देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे। इस दौरान टॉप टेन में स्थान बनाने वाले छात्र-छात्राओं खुशी परवीन एवं सरताज रजा को भी सम्मानित किया गया। भाजपा के सम्मान कार्यक्रम में असित बनर्जी, आनंद कुमार महतो, सुरेंद्र महतो, अनीश कुमार जायसवाल, रामचरण महतो, राजेश्वर महतो, सुरेश कालिंदी, उमेश तिवारी, जयनंदन महतो, कैलाश करमाली, मनमोहन तिवारी, अजय ठाकुर, अजय जायसवाल, बबलू महतो, गजानंद महतो, वीरेंद्र करमाली, गौरव जायसवाल, राहुल जायसवाल, रामविलास महतो समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गुरुदेव के आदर्शों से महका चिन्मय विद्यालय

» स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की 110वीं जयंती पर पादुका पूजन और अन्नदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चिन्मय मिशन के संस्थापक और महान आध्यात्मिक गुरु स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की 110वीं जयंती शुक्रवार को चिन्मय विद्यालय बोकारो में अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर विद्यालय प्रांगण में गुरु पादुका पूजन एवं अन्नदान जैसे पुनीत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के ट्रस्टी, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। संपूर्ण वातावरण गुरुदेव के भजनों और 108 नामों के वाचन से गुंजायमान रहा, जिससे विद्यालय परिसर में एक अलौकिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ चिन्मय मिशन बोकारो की रेसिडेंट आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती के सानिध्य में हुआ, जिन्होंने पूरे विधि-विधान से गुरु पादुका पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा, डिप्टी मैनेजर पुनीत दोसी और एकेडमिक सुपरवाइजर राहुल रॉय विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वामिनी जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के जीवन दर्शन और उनके महान आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का जीवन मानवता के कल्याण और ज्ञान के प्रसार हेतु समर्पित था, जो आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जयंती के उपलक्ष में विद्यालय के विभिन्न विंग्स द्वारा विविध कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। प्री-प्राइमरी विंग के नन्हे मुन्नों ने गुरुदेव को पुष्पांजलि अर्पित कर एक लघु नाटक के माध्यम से उनके संदेशों को जीवंत किया। सेवा भावना का परिचय देते हुए कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों ने अन्नदान किया, जिसे बाद में जरूरतमंद लोगों के बीच वितरित किया गया। मिडिल विंग के विद्यार्थियों ने विशेष प्रार्थना सभा में नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दी, वहीं कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने गुरुदेव के लिए आकर्षक बधाई कार्ड बनाकर अपनी कलात्मकता का परिचय दिया। वहीं, छठी कक्षा से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने संगीत और नृत्य के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। विशेष रूप से कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं को गुरुदेव की जयंती के थीम पर सजाया और भव्य रंगोली बनाई। प्राचार्य श्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि चिन्मय विद्यालय बोकारो गुरुदेव के शिक्षा और बेहतर भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निरंतर कार्यरत है। उन्होंने गर्व व्यक्त किया कि विद्यालय के विद्यार्थी गुरुदेव के आदर्शों को न केवल सीख रहे हैं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मसात भी कर रहे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

अवर प्रादेशिक नियोजनालय परिसर मे रोजगार मेला का किया गया आयोजन

धनबाद: शुक्रवार को अवर प्रादेशिक नियोजनालय परिसर, बरटाँड़, धनबाद मे भर्ती-कैंप का आयोजन किया गया | सर्वप्रथम पदमा कुमारी, नियोजन पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया एवं नियोजनालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आगंतुक, बेरोजगार आवेदकों तथा उपस्थित नियोजकों को विस्तार से अवगत कराया |

नियोजन पदाधिकारी, धनबाद द्वारा आज के भर्ती कैंप में विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा लगाये गये स्टॉल का भ्रमण कर विभिन्न रिक्तियों, सेवा शर्तो के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा कुछेक आवेदकों की चयन के पश्चात नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया |अंत में नियोजन पदाधिकारी, धनबाद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए भर्ती कैंप की समाप्ति की गई |

इस भर्ती कैंप में 03 नियोजकों ने अपनी उपस्थिती दर्ज कराई तथा लगभग 75 आवेदकों ने भाग लिया | जिसमे विभिन्न नियोजकों द्वारा कुल 25 आवेदकों को चयनित कर ऑफर लेटर दिया गया |

भर्ती कैंप में पदमा कुमारी, नियोजन पदाधिकारी, धनबाद के अतिरिक्त कंचन माला किस्कू, जय प्रकाश गुप्ता, सूरज कुमार, प्रशान्त गोयल, विवेक कुमार साव एवं कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे |

गैंगस्टर प्रिंस खान के घर कुर्की-जब्ती, बैंक मोड़ थाना और भूली ओपी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

धनबाद: शुक्रवार को बैंक मोड़ थाना और भूली ओपी पुलिस ने भगौड़ा अपराधी प्रिंस खान के वासेपुर स्थित आवास पर संयुक्त रूप से कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की।भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रिंस खान लंबे समय से फरार चल रहा है और उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, धमकी, फायरिंग सहित कई गंभीर मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। न्यायालय में लगातार उपस्थित नहीं होने के कारण कोर्ट द्वारा कुर्की-जप्ती का आदेश जारी किया गया, जिसके बाद पुलिस टीम उसके आवास पहुंची।

इससे पहले भी पुलिस कई बार प्रिंस खान के ठिकानों पर कुर्की-जप्ती की कार्रवाई कर चुकी है, लेकिन अब तक वह पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का दावा है कि वर्तमान में प्रिंस खान पाकिस्तान में छिपकर रह रहा है और वहीं से अपने नेटवर्क का संचालन कर रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि प्रिंस खान के गिरोह के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उसके गुर्गों और सहयोगियों पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। हाल के दिनों में उसके नेटवर्क से जुड़े कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कई संदिग्धों से पूछताछ भी जारी है।

तोपचांची झील में दर्दनाक हादसा, दोस्त को बचाने कूदा युवक भी डूबा, दोनों की मौत

तोपचांची (धनबाद): शुक्रवार को एक हृदयविदारक हादसे में तोपचांची झील में दो युवकों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान झरिया कोयरी बांध निवासी कोयला व्यवसायी संदीप झुनझुनवाला के 22 वर्षीय पुत्र अमन झुनझुनवाला तथा गोविंदपुर थाना क्षेत्र के गांव बस्ती निवासी 22 वर्षीय अरमान आलम के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार अमन अपने दोस्तों रुद्र कुमार साव और प्रियांशु कुमार के साथ दोपहर में घूमने झील पहुंचा था। लीची बागान में भोजन करने के बाद वह नहाने के लिए झील में उतरा, लेकिन नहाने के दौरान अनजाने में गहरे पानी की ओर चला गया और डूबने लगा। दोस्तों के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

उसी समय वहां अपने दोस्तों अफजल और निर्भय के साथ मौजूद अरमान आलम ने मानवता और साहस की मिसाल पेश करते हुए बिना अपनी जान की परवाह किए झील में छलांग लगा दी। अरमान ने डूबते अमन को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण दोनों ही पानी में समा गए।

घटना की सूचना मिलते ही तोपचांची पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से खोज अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव झील से बाहर निकाले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों के शव एक-दूसरे से लिपटे हुए मिले, जिसने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया।

अरमान के परिजन उसे शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले गए, जबकि अमन को असर्फी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से झील क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ाने की मांग की है।

डीडीसी ने कलियासोल प्रखंड में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का किया निरीक्षण

» गुणवत्तापूर्ण तथा तय समय सीमा में कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: शुक्रवार को उप विकास आयुक्त सन्नी राज द्वारा कलियासोल प्रखंड का भ्रमण कर DMFT एवं 15वें वित्त आयोग से संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की गई।

भ्रमण के क्रम में कलियासोल में प्रस्तावित स्टेडियम निर्माण हेतु चयनित स्थल का निरीक्षण जिला खेल पदाधिकारी के साथ किया गया तथा स्टेडियम के DPR पर विस्तृत चर्चा की गई।

सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कनीय अभियंता को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं PNKN High School में कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा संबंधित एजेंसी को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

DMFT योजना के अंतर्गत चल रहे तालाब जीर्णोद्धार कार्यों का भी निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।इस दौरान पिंड्राहाट पंचायत भवन का निरीक्षण भी किया गया। पंचायत भवन में संचालित होने वाले ज्ञान केंद्र हेतु एक समिति के गठन का निर्देश दिया गया। साथ ही हेडमास्टर, कनीय अभियंता, विद्यालय शिक्षक, पंचायत सचिव, MOIC एवं CHO द्वारा प्रतिदिन कक्षाएं संचालित करने को कहा गया।

पंचायत सचिव एवं VLE को निर्देशित किया गया कि जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं विवाह प्रमाण पत्र पंचायत कार्यालय से ही निर्गत किए जाएं। साथ ही आजीविका दीदियों की बैठकों हेतु पंचायत भवन में स्थान उपलब्ध कराने को कहा गया।

पिंड्राहाट मुखिया के साथ पंचायत में 15वें वित्त आयोग से संचालित विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। South Zone WTP निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित एजेंसी को कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, प्रखंड विकास पदाधिकारी जय प्रकाश नारायण, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, डीएमएफटी टीम, स्थानीय जनप्रतिनिधि समेत अन्य मौजूद रहे।

विश्व रेडक्रास दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद ने दो ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया। प्रथम कैंप व्यवहार न्यायालय स्थित मध्यस्ता केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें 17 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। तत्पश्चात भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद में विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने केक काट कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। जहां भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के दो सदस्यों ने रक्तदान किया।

वहीं एक अन्य कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के कार्यकारिणी की बैठक पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में आयोजित की गई। मौके पर अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के साथ चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, वाईस चेयरमैन धनेश्वर महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी सह सहसचिव रवींद्रनाथ ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, देवेंद्र कुमार, दिलीप सिंह, बेनजीर परवीन, श्वेतांबरा पाठक, आशीष अग्रवाल, डॉ.जिम्मी अभिषेक, रणजीत सिंह, सौरभ सिंह, ललिता चौहान, लीला माजी, ब्रिजेन्द्र सिंह, रवि श्रीवास्तव सहित भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के अन्य सदस्य एवं युको बैंक कोर्ट मोड़ शाखा प्रमुख डॉ.उपेंद्र कुमार व मधु कुमारी उपस्थित रहीं।

सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक ने सुनी जनता की समस्याएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिला सामाजिक सुरक्षा विभाग के सहायक निदेशक नियाज़ अहमद ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना।

जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। सहायक निदेशक पदाधिकारी ने सभी आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों की शीघ्र जांच कर उचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर लोदना, कतरासगढ़, बाघमारा, धनबाद,सरायढेला,सिंदरी,तोपचांची,चिरकुंडा, गोविंदपुर,सहित अन्य क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतें सुनी गईं।

जनता दरबार में बिजली बिल, वैवाहिक मामले, सिंचाई विभाग,प्रधानमंत्री आवास, बेलगाड़िया टाउनशिप,जमीन विवाद,विद्यालय के नामांकन,भविष्य निधि के अनुदान,जिला दंडाधिकारी न्यायालय के मामले,घर कब्जाने,परीक्षा संबंधी,पुनर्वास मामले,सहित अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

सहायक निदेशक महोदय ने आमजनों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी मामलों में विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उनकी समस्या का शीघ्र निष्पादन किया जाएगा। मौके पर आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री संजय झा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी श्री आलोक कुमार मिश्रा मौजूद रहें।

2017 होमगार्ड बहाली के चयनित अभ्यर्थियों का फूटा गुस्सा, नियुक्ति की मांग को लेकर धरना

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर वर्ष 2017 की होमगार्ड बहाली प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने धरना-प्रदर्शन किया और सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बहाली प्रक्रिया पूरी होने और चयन सूची जारी होने के बावजूद आज तक नियुक्ति नहीं दी गई। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द नियुक्ति नहीं हुई तो वे अनशन और आत्मदाह जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।

धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने बताया कि वर्ष 2017 में होमगार्ड बहाली प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी और चयनित उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी गई थी। लेकिन बाद में यह कहकर बहाली रोक दी गई कि प्रक्रिया के दौरान की गई वीडियोग्राफी की सीडी नजारत कार्यालय से गायब हो गई है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर सीडी विभागीय लापरवाही से गायब हुई है तो इसकी सजा चयनित उम्मीदवारों को क्यों दी जा रही है। उनका आरोप है कि पिछले कई वर्षों से उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है।

प्रदर्शन में शामिल महिला अभ्यर्थियों ने भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि जब 2017 की बहाली प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, तो फिर वर्ष 2023 में नई बहाली प्रक्रिया शुरू करना समझ से परे है।

अभ्यर्थियों ने मांग की कि पहले 2017 में चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति पूरी की जाए, उसके बाद नई बहाली प्रक्रिया शुरू हो। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराने की भी मांग उठाई गई।

आईआईटी (आईएसएम) में एग्जीक्यूटिव एमबीए में एडमिशन शुरू, 31 मई तक करें आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शुमार आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में वर्ष 2026-28 सत्र के लिए एग्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। संस्थान के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग की ओर से संचालित इस दो वर्षीय कोर्स के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 31 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह है कि यह कोर्स वर्किंग प्रोफेशनल्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें ऑनलाइन क्लास और इंडस्ट्री ओरिएंटेड विषय शामिल हैं।

कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ.रश्मि सिंह ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा 14 जून को आयोजित होगी, जबकि ऑनलाइन इंटरव्यू 16 और 17 जून को लिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों का रिजल्ट 3 जुलाई को जारी किया जाएगा और 6 से 13 जुलाई तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी होगी।

उन्होंने बताया कि यह एग्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम चार सेमेस्टर में संचालित होगा। कक्षाएं बुधवार से रविवार तक ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएंगी ताकि नौकरीपेशा लोग भी आसानी से पढ़ाई जारी रख सकें। वहीं मिड सेमेस्टर और एंड सेमेस्टर परीक्षाएं धनबाद के साथ-साथ कोलकाता और दिल्ली एक्सटेंशन सेंटर में ऑफलाइन मोड में आयोजित होंगी।

इस कार्यक्रम में इंटरनेशनल बिजनेस, बिजनेस एनालिटिक्स, डेटा साइंस, डिजिटल मार्केटिंग, एचआर मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन जैसे आधुनिक विषयों का विकल्प मिलेगा। आवेदन के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं, जबकि एससी, एसटी और दिव्यांग अभ्यर्थियों को 45 प्रतिशत अंकों की छूट दी गई है। साथ ही कम से कम एक वर्ष का कार्यानुभव भी अनिवार्य रखा गया है।

संस्थान के अनुसार, इस कार्यक्रम की कुल फीस 6 लाख रुपये निर्धारित की गई है और इसमें 100 सीटें उपलब्ध हैं। वर्तमान में कोल इंडिया, एसबीआई, टाटा स्टील, एनटीपीसी, इंफोसिस, ओएनजीसी और इंडियन रेलवे जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के अधिकारी इस कोर्स में अध्ययन कर रहे हैं।

घनुवाडीह एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग में अवैध कोयला कारोबार को लेकर दो गुटों में गोलीबारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: झरिया स्थित बीसीसीएल एरिया-10 अंतर्गत कुजामा कोलियरी के घनुवाडीह ओपी क्षेत्र स्थित एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग, मोहरीबांध में अवैध कोयला कारोबार को लेकर दो गुटों के बीच जमकर गोलीबारी और बमबाजी हुई। गुरुवार देर रात हुई इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बताया जा रहा है कि कोयला लोड करने पहुंची कई ट्रक मौके पर फंस गई थीं, जिन्हें बाद में वहां से हटाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार अवैध कोयला कारोबार में वर्चस्व को लेकर दोनों गुटों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी इसी इलाके में दो गुटों के बीच मारपीट और फायरिंग की घटना हुई थी। उस दौरान अफरा-तफरी के बीच एक कोयला लदा

ट्रक अनियंत्रित होकर एक घर में घुस गया था, जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया था।

वहीं घनुवाडीह पुलिस ने घटना की जानकारी होने से इनकार किया है। एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने बताया कि देर रात इलाके में फायरिंग और बमबाजी हुई है तथा अवैध कोयला कारोबार में वर्चस्व को लेकर लगातार तनाव बना हुआ है।

डीडीसी ने की कृषि, मत्स्य, पशुपालन सहित अन्य योजनाओं के प्रगति की समीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: उप विकास आयुक्त सन्नी राज की अध्यक्षता में आजीविका प्रक्षेत्र से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें जिले में संचालित कृषि, मत्स्य, पशुपालन, उद्यान, रूर्बन मिशन एवं एफपीओ से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

उप विकास आयुक्त ने निरसा, बलियापुर एवं गोविंदपुर में हाट बाजार के विकास को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हाटों में वाहनों के आवागमन में बाधा, स्थान की कमी, आधारभूत सुविधाओं का अभाव, लिफ्ट इरीगेशन एवं कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता पर जानकारी ली। सभी संबंधित विभागों को सोमवार तक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर सभी वेंडरों से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर हाट संचालित हैं, लेकिन वहां आधारभूत सुविधाओं की कमी है। उन्होंने अस्थायी शेड को स्थायी शेड में परिवर्तित करने, शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

वहीं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके तहत मत्स्य बीज उत्पादन, उपयुक्त स्थानों का चयन, लीज प्रक्रिया एवं संचालन की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को बताया गया कि इन कार्यों को अर्बन रूर्बन मिशन के तहत आगे बढ़ाया जाएगा। जबकि एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन) की स्थिति, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, लंबित फंड एवं उनकी कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में मस्टर्ड कल्टीवेशन, आचार एवं मसाला प्रसंस्करण तथा मत्स्य पालन आधारित आजीविका गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख किसान विज्ञान केंद्र, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस, तकनीकी विशेषज्ञ जलछाजन प्रकोष्ठ, जिला समन्वयक रूर्बन मिशन, प्रभारी पदाधिकारी (आर एंड आर) जेआरडीए, आजीविका टीम पीएमयू डीएमएफटी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपराधियों का महिमामंडन संविधान और कानून व्यवस्था को सीधी चुनौती: झारखंड पुलिस एसोसिएशन

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

धनबाद: झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर पुलिस अधिकारियों को चुनौती देने की बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि सीधे तौर पर भारतीय संविधान को चुनौती देना है। मुर्मू ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि समाज के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और प्रभावशाली लोग राजनीतिक अवसरवाद के कारण इन वीडियो को लाइक और शेयर कर रहे हैं। उनके अनुसार, जाने-अनजाने में अपराधियों को नायक के रूप में पेश करना समाज में यह गलत संदेश देता है कि कानून से बड़ा बाहुबल है। इससे न केवल पुलिस बल का मनोबल गिरता है, बल्कि राज्य की संप्रभुता का भी अपमान होता है। एसोसिएशन ने जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी भी पदाधिकारी या कर्मी के खिलाफ विधि विरुद्ध कार्य की शिकायत है, तो वे स्वतंत्र रूप से मुख्यमंत्री से इसकी जांच और कार्रवाई की मांग करें। इसके लिए किसी कुख्यात अपराधी के वीडियो का सहारा लेना उचित नहीं है। राहुल कुमार मुर्मू ने सचेत किया कि जब माननीय व्यक्ति ऐसे वीडियो साझा करते हैं, तो वे समाज में अपराधियों द्वारा फैलाए जा रहे भय के 'वितरक' बन जाते हैं। इससे आम नागरिक पुलिस के पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाता और युवा पीढ़ी अपराध को ग्लैमर मानकर गैंगस्टर बनने की ओर आकर्षित होने लगती है, जो राज्य की कानून-व्यवस्था के लिए भविष्य में अत्यंत घातक सिद्ध होगा।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि पुलिस का साइबर विंग न केवल वीडियो बनाने वाले अपराधियों पर, बल्कि उन प्रभावशाली लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई करे जो ऐसी सामग्री को वायरल करने में उत्प्रेरक का काम करते हैं। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि पुलिसकर्मी राज्य की शक्ति का प्रतीक हैं और उनकी गरिमा की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है। समाज में शांति और भयमुक्त वातावरण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का इकबाल और कानून का खौफ अपराधियों के साथ-साथ उनके संरक्षकों को भी महसूस होना चाहिए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में एक युवक हुआ गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घायल युवक को परिजनों ने इलाज के लिए गुरुवार की रात सदर अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार ने इलाज प्रारंभ कर दिया बताया जा रहा है कि जिरवाबाडी थाना अंतर्गत चानन गांव निवासी अजय लाल पासवान के पुत्र रितेश पासवान (25) है. वे किसी काम को लेकर बाइक में सवार होकर जिरवाबाडी थाना के तरफ आया हुआ था. अचानक दूसरे तरफ से गाड़ी का लाइट आंखों पर लगने से रितेश पासवान के बाइक अनियंत्रित हो गया और बाइक पलट जाने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घायल के सिर में गंभीर चोट आई है बरहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया |

एक साल बाद बुजुर्ग महिला का रुका पेंशन भुगतान, कृष्णा कालिंदी की पहल से मिली राहत

सरायकेला: नीमडीह प्रखंड के लुपुंगडीह गांव निवासी दिलीप गोप की लंबी जद्दोजहद आखिरकार सफल हो गई। उनकी स्वर्गीय दादी नोनी गोप का पिछले एक वर्ष से रुका हुआ पेंशन भुगतान अब चांडिल पोस्ट ऑफिस के माध्यम से जारी कर दिया गया है। पेंशन मिलने के बाद परिवार ने राहत की सांस ली है।

परिजनों के अनुसार, आर्थिक तंगी के बावजूद दिलीप गोप अपनी दादी की सेवा करते रहे, लेकिन पेंशन बंद होने से उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कई बार संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों से मदद की गुहार लगाई, मगर समस्या का समाधान नहीं हो सका।मामला जब कृष्णा कालिंदी के संज्ञान में आया तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग और चांडिल पोस्ट ऑफिस से लगातार संपर्क किया। उनके प्रयासों के बाद रुकी हुई पेंशन राशि का भुगतान संभव हो सका।

दिलीप गोप ने बताया कि वे एक साल तक कार्यालयों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन किसी ने उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दिया। अंततः कृष्णा कालिंदी की पहल से समाधान निकल पाया। वहीं कृष्णा कालिंदी ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है और आगे भी जरूरतमंदों की हरसंभव मदद की जाएगी। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इस तरह आगे आना प्रेरणादायक कार्य है।

लोगों को दी गई आग से बचाव, सुरक्षा उपायों की जानकारी

खूंटी। कर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शुक्रवार को अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल कर्मियों और आम लोगों को आग से बचाव, सुरक्षा उपायों एवं आपातकालीन स्थिति में सतर्क रहने के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मियों को अग्निशमन यंत्र के सही उपयोग, आग लगने की स्थिति में प्राथमिक बचाव उपाय और मरीजों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए सभी को सुरक्षा नियमों का पालन गंभीरता से करना चाहिए। अस्पताल परिसर में मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने आपातकालीन स्थिति से निपटने का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने पर तत्काल प्रतिक्रिया, मरीजों की सुरक्षित निकासी और बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद कर्मियों ने अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी भी प्राप्त की। कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। मौके पर डॉमंजीत तिर्की, नूतन कुमारी, अश्विनी साह, सरवर इकबाल, अभिजीत कुमार, बैजू कुमार, बिपुल कुमार, सीएचओ सच्चिदानंद कुमार सहित नर्स, स्वास्थ्यकर्मी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

15 साल से 'सरकारी सिस्टम' से ओझल है पतरापाड़ा गांव

» ग्रामीणों ने डीसी से कहा- मैडम! हमारे यहाँ न अफसर आते हैं न नेता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरूल शेख : पाकुड़: विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच पाकुड़ प्रखंड की सोनाजोड़ी पंचायत से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो प्रशासनिक सक्रियता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। पाकुड़ प्रखंड के पतरापाड़ा गाँव के ग्रामीणों को पिछले 15 वर्षों से किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला है।थक-हारकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण समाहरणालय पहुँचे और उपायुक्त (डीसी) को अपना दुखड़ा सुनाया।

गाँव की दहलीज भूल गए जिम्मेदार-उपायुक्त को सौंपे गए सामूहिक आवेदन में ग्रामीणों ने सीधे तौर पर सिस्टम को कटघरे में खड़ा किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते डेढ़ दशक से उनके गाँव में न तो कोई बीडीओ (BDO) पहुँचा, न ही पंचायत सचिव या रोजगार सेवक ने उनकी सुध ली। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना तो दूर, पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि—मुखिया, उप-मुखिया और पंचायत समिति सदस्य—भी गाँव की ओर रुख करना जरूरी नहीं समझते।

कागजों पर विकास, हकीकत में सन्नाटा-ग्रामीणों ने बताया कि राशन, पेंशन और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए वे वर्षों से तरस रहे हैं। आवेदन में दर्ज दर्द साफ बयां करता है कि डिजिटल इंडिया के दौर में भी यह गाँव प्रशासनिक उपेक्षा के अंधेरे में जी रहा है। ग्रामीणों ने डीसी से गुहार लगाते हुए कहा,"साहब! हम भी इसी जिले के निवासी हैं, हमें भी सरकारी योजनाओं का हक मिलना चाहिए।अपनी मांगों के समर्थन में ग्रामीणों ने एक लंबा हस्ताक्षर अभियान युक्त पत्र सौंपा है, जिसमें लगभग सैकड़ो ग्रामीणों (महिला व पुरुष) के हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान दर्ज हैं। गाँव के मिशन लुखमुनी पुझरनी और लुखावा रविदास समेत दर्जनों ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि अविलंब अधिकारियों की टीम गाँव भेजी जाए और पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ा जाए। एक वृद्ध ने दुख भरे लहजे में बताया कि हमारे गाँव में कोई अधिकारी नहीं आता। जनप्रतिनिधि भी चुनाव के बाद रास्ता भूल गए हैं। 15 साल एक लंबा वक्त होता है, आखिर हमारा क्या कसूर है?"

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान, 1234 वाहनों की जांच

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद: धनबाद में एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर शुक्रवार को जिले भर में व्यापक स्तर पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष घेराबंदी कर सघन जांच की। कार्रवाई के दौरान कुल 1234 वाहनों को रोककर उनके कागजातों का बारीकी से सत्यापन किया गया। जिन वाहन चालकों के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले, उनके विरुद्ध नियमानुसार चालान काटते हुए कड़ी कार्रवाई की गई।

वाहनों की जांच के साथ-साथ पुलिस ने संदिग्ध दिखने वाले व्यक्तियों की भी तलाशी ली और उनके पहचान पत्रों का सत्यापन किया। इस संबंध में एसएसपी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना, असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखना और आम नागरिकों के बीच सुरक्षा का वातावरण तैयार करना है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे चेकिंग के दौरान सहयोग करें और यात्रा के समय वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से अपने साथ रखें। जिले की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण और एंटी क्राइम अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

एक चालान पर दो ट्रिप का खेल पकड़ा गया, स्टोन चिप्स लदा हाइवा जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने स्टोन चिप्स लदे एक हाइवा को जब्त किया है। जांच में खुलासा हुआ कि वाहन चालक एक ही माइनिंग चालान का दोबारा इस्तेमाल कर परिवहन करने की कोशिश कर रहा था।

मुफ्फसिल थाना प्रभारी गौरव कुमार के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध हाइवा को रोककर उसके दस्तावेजों की जांच की। चालक द्वारा प्रस्तुत माइनिंग चालान की पड़ताल करने पर पता चला कि उक्त चालान का उपयोग पहले ही किया जा चुका था और उसी दस्तावेज के आधार पर दोबारा स्टोन चिप्स का परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस को आशंका है कि अवैध परिवहन में चालान की फोटोकॉपी, डिजिटल एडिटिंग और एक ही दस्तावेज के बार-बार इस्तेमाल जैसे तरीकों का सहारा लिया जा रहा है, जिससे सरकार को राजस्व नुकसान पहुंच रहा है। कार्रवाई के तहत हाइवा को जब्त कर थाना परिसर में रखा गया है। मामले की सूचना जिला खनन विभाग को भेज दी गई है ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अवैध खनन और परिवहन से जुड़े कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

नौकरी दिलाने के नाम पर सवा दो लाख की ठगी, आरोपी पर केस दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर तीन महिलाओं से 2.10 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि देवपुर निवासी राज मरांडी ने मेडिकल विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिलाओं से पैसे लिए, लेकिन न नौकरी दिलाई और न ही रकम वापस की।

पीड़ित महिलाओं के अनुसार आरोपी ने रेनुबाला टुडू से उनके बेटे को मेडिकल विभाग में पियून की नौकरी दिलाने के नाम पर 1.10 लाख रुपये लिए। वहीं बिन्दु हांसदा और नेहा हांसदा से नर्स की नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 50-50 हजार रुपये वसूले गए। आरोपी ने दो महीने के भीतर नौकरी लगवाने या पैसे लौटाने का आश्वासन दिया था।

पीड़ितों का कहना है कि करीब 10 महीने बीत जाने के बाद भी न तो कोई नियुक्ति पत्र मिला और न ही उनकी रकम वापस की गई। जनवरी 2026 में दबाव बढ़ने पर आरोपी ने लिखित समझौता कर मार्च 2026 तक पैसे लौटाने का वादा किया था, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ।

मामले से परेशान महिलाओं ने अंततः महेशपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ कांड संख्या 65/2026 दर्ज कर लिया है। मामले की जांच अमरजीत कुमार को सौंपी गई है।

पीड़ित महिलाओं ने जिला प्रशासन और पुलिस से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी तथा उनकी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

मारगो पहाड़ गांव में आज भी अंधेरा, पानी और सड़क के लिए ग्रामीणों का समाहरणालय पहुंचकर प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत बांडों पंचायत का मारगो पहाड़ गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। करीब 35 परिवारों वाले इस गांव के ग्रामीण बिजली, सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं से परेशान होकर शुक्रवार को समाहरणालय पहुंचे और उपायुक्त को मांग पत्र सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आज तक बिजली नहीं पहुंची है। शाम ढलते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है, जिसका सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। कई बार विभागीय अधिकारियों को आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है।

पेयजल संकट को ग्रामीणों ने सबसे गंभीर समस्या बताया। उनका कहना है कि पिछले 10 से 15 वर्षों से गांव में स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है। महिलाएं और बच्चे दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं। दूषित पानी के इस्तेमाल से लोग लगातार बीमार पड़ रहे हैं।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गांव तक पहुंचने के लिए आज भी कच्चे रास्ते का सहारा लेना पड़ता है। बरसात के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती है तथा गांव का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से लगभग कट जाता है। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस तक गांव नहीं पहुंच पाती।

इस दौरान ग्राम प्रधान मांगू पहाड़िया और रमेश पहाड़िया ने उपायुक्त को गांव की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि लगभग 200 की आबादी वाले इस गांव तक आज तक विकास की बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच सकी हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मांग पत्र के साथ पूर्व में दिए गए आवेदनों की प्रतियां और ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी प्रशासन को सौंपे गए।

शुभेंदु अधिकारी के विधायक दल का नेता चुने जाने पर भाजपाइयों में खुशी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने और मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किए जाने पर खुशी जताई है। स्थानीय भाजपाइयों ने इसे बंगाल की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत बताते हुए उन्हें बधाई दी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रशांत जायसवाल ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल अपना खोया हुआ गौरव फिर हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी और "सोनार बांग्ला" का सपना साकार होगा। साथ ही उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भयमुक्त वातावरण स्थापित होगा और राजनीतिक हिंसा का अंत होगा।

खुशी व्यक्त करने वालों में जीवाधान महतो, कामाख्या गिरी, प्रदीप जैन, लालमोहन महतो, कृष्णकांत शर्मा, आशीष अग्रवाल, केदार महतो सहित कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

डेढ़ सौ करोड़ का आरओबी तैयार, फिर भी पुराने रास्तों पर जान जोखिम में डाल रहे लोग

» राजनीति की भेंट चढ़ा विकास, उद्घाटन टलने से बोकारो थर्मल की जनता में भारी आक्रोश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल में जनसुविधा हेतु लगभग डेढ़ सौ करोड़ की लागत से निर्मित स्वामी विवेकानंद रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) इन दिनों राजनीतिक खींचतान और प्रशासनिक शिथिलता का जीवंत उदाहरण बन गया है। पुल का निर्माण कार्य तकनीकी रूप से संपन्न होने के बावजूद इसे आम जनता के लिए नहीं खोला जा रहा है, जिससे स्थानीय डीवीसी कामगारों, स्कूली बच्चों और गंभीर मरीजों को प्रतिदिन भीषण जाम और असुरक्षित रास्तों का सामना करना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जिस पुल को सुरक्षा और सुगमता के लिए बनाया गया था, वह आज विवादों के घेरे में बंद पड़ा है।

परियोजना के विवरण के अनुसार, कथारा से बोकारो थर्मल प्लांट और रेलवे लाइन के ऊपर से डिग्री कॉलेज तक का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक

पूर्ण किया जा चुका है। पूर्व में 28 फरवरी को इसके उद्घाटन की तिथि भी प्रस्तावित की गई थी, किंतु गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी द्वारा गुणवत्ता और प्रक्रियाओं पर प्रश्न उठाते हुए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को लिखे गए पत्र के बाद कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। हालांकि, इस महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम तक पहुँचाने में एचओपी सुशील कुमार अरजरिया और कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। सांसद के विरोध के बाद सुरक्षा मानकों की पुष्टि हेतु 150 टन क्षमता का लोड टेस्टिंग भी कराया गया, जिसमें पुल पूरी तरह मानक के अनुरूप पाया गया। इसके बावजूद आवागमन प्रतिबंधित रखना आम जनता की समझ से परे है।

बोले पदाधिकारी- एक हफ्ते में पूरी होगी तकनीकी प्रकियाएं-पुल चालू न होने का खामियाजा क्षेत्र के लोग भुगत रहे हैं। हाल ही में एक एसयूवी वाहन का कोल रैक की चपेट में आना इसी विलंब का एक दुखद परिणाम है। डीवीसी के कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां ने स्पष्ट किया है कि रेलवे द्वारा निर्देशित अधिकांश कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है और शेष तकनीकी प्रक्रियाओं को एक सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। अंतिम कंप्लीशन सर्टिफिकेट रेलवे फाटक के स्थायी रूप से बंद होने के बाद जारी होगा, लेकिन वर्तमान में पुल का उपयोग शुरू न होना एक बड़ी प्रशासनिक विफलता मानी जा रही है।प्रशासनिक देरी को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। मुखिया विकास सिंह, कांग्रेस नेता रिंकू सिंह और नेत्री सुषमा कुमारी ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का कार्य विकास को गति देना होना चाहिए, न कि उसे बाधित करना। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन और डीवीसी प्रबंधन ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए जल्द ही पुल को समर्पित नहीं किया, तो ग्रामीण स्वयं अवरोधकों को हटाकर इसे जनता के लिए खोल देंगे। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच फंसे इस पुल ने विकास की प्राथमिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिलन समारोह में कायस्थों की एकजुटता और सामाजिक उत्थान पर बल

» चास में कर्ण कायस्थ महासभा ने किया आयोजन, काव्यपाठ भी आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कर्ण कायस्थ महासभा की स्थानीय इकाई की ओर से चास स्थित होटल यमुना विला में एक भव्य मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रबुद्ध जनों ने शिरकत की और संगठन की मजबूती तथा सामाजिक उत्थान पर गंभीर चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्ण कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.ए. आशीष नीरज उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में महासभा के राष्ट्रव्यापी कार्यकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला और समाज के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बोकारो के कायस्थ समाज की सक्रियता की सराहना करते हुए संगठन को और अधिक गतिशील बनाने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि कर्ण समागम बोकारो के उपाध्यक्ष श्री सिद्धेश नारायण दास ने महासभा के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने स्थानीय कार्यकारिणी को महासभा के सेवा कार्यों से प्रेरणा लेने का सुझाव देते हुए बोकारो के कायस्थों को एक सूत्र में पिरोने और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने का आह्वान किया। सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाते हुए महासभा द्वारा एक जरूरतमंद महिला को स्वरोजगार योजना के अंतर्गत सिलाई मशीन प्रदान की गई। यह मशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष नीरज और उपाध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास द्वारा संयुक्त रूप से वितरित की गई, जिसका उद्देश्य महिला को आत्मनिर्भर बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान एक विशेष कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसने समारोह में सांस्कृतिक रंग भर दिया। विख्यात कवि विजय शंकर मल्लिक और धनंजय कुमार दास ने अपने काव्य पाठ से उपस्थित सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी रचनाओं ने समाज की जड़ों और संस्कृति के प्रति गौरव का भाव जगाया। इसी अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष नीरज ने आगामी नवंबर माह में जमशेदपुर में आयोजित होने वाले भव्य कर्ण कुंभ की जानकारी दी। उन्होंने बोकारो के समस्त कर्ण कायस्थों को इस ऐतिहासिक महाकुंभ में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया, ताकि समाज की सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन किया जा सके।

मौके पर कर्ण कायस्थ महासभा बोकारो के अध्यक्ष अनिल दत्त, सचिव रंजन कुमार कर्ण, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार और कर्ण समागम के महासचिव मिहिर चंद कंठ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मौके पर संरक्षक विजय शंकर मल्लिक, चंद्रपति मल्लिक, उपाध्यक्ष राजेंद्र नारायण मल्लिक, उप महासचिव अमरनाथ लाल दास और सचिव प्रवीण कुमार कंठ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। झारखंड राज्य सचिव अमरनाथ लाल दास ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में महासभा से जुड़ने का आग्रह किया। धन्यवाद ज्ञापन अरविंद कुमार ने किया।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 09 मई, 2026

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे। उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा- क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा- मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी। जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे।

चुनाव आयोग के साथ न्याय पालिका की साख संकट में?

सनत कुमार जैन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक दलों, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, द्वारा घोषित परिणाम स्वीकार नहीं किये हैं। इस बार का मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा। आम जनता के बीच भी आयोग की विश्वसनीयता को लेकर पंश्चिम बंगाल में संशय गहरा गया है।

पिछले दो वर्षों से चुनाव आयुक्त की कार्य प्रणाली को लेकर कई आरोप सामने आ रहे हैं। उनमें प्रमुख विवाद "गोपनीयता" का है। चुनाव आयोग पहले सभी राजनैतिक दलों से परामर्श करके, चुनाव की सारी व्यवस्था करता था। मतदाता सूची से लेकर मतदान तक की सभी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाती थी। पिछले कुछ वर्षों में जब चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बने। उसके बाद से चुनाव आयोग की यह व्यवस्थाएं बदल गई जिसके कारण चुनाव आयोग पर संदेह लगातार गहराता जा रहा है। मतदाता सूची, मतदान प्रतिशत और मतगणना से जुडी जानकारी को सार्वजनिक करने के स्थान पर चुनाव आयोग द्वारा गोपनीयता बरती जा रही है।उसने चुनाव आयोग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगा है। लोकतंत्र में सूचना का अधिकार नागरिकों का मूल अधिकार है। जब चुनाव जैसी संवेदनशील जानकारी को गोपनीयता के दायरे में लाया जा रहा है। उसके बाद संदेह स्वाभाविक रूप से बढ़ता जा रहा है।

इसके साथ ही चुनाव आयोग द्वारा नियमों में बार-बार मनमाने तरीके से बदलाव किया जा रहा है। जिसका अधिकार चुनाव आयोग को न होकर संसद के पास है।तब यह संदेह और भी गहरा जाता है। चुनाव अधिसूचना जारी हो जाने के बाद, जिस तरह से चुनाव आयोग की मनमानी और पक्षपात शुरू हो जाती है। जहां डबल इंजन की सरकार हैं। उनके लिए अलग नियम जहां केंद्र सरकार से इतर विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वहां पर अधिकारियों की नियुक्तियों एसआईआर को लेकर भी विवाद सामने आए हैं। उसने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर बड़ा संदेह उत्पन्न कर दिया है। चुनाव आयोग का दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है। हर पक्ष को समान अवसर तथा चुनाव लड़ने वाले सभी राजनैतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के साथ बराबरी का निष्पक्षता के साथ व्यवहार हो।

पश्चिम बंगाल के चुनाव में लाखों की संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती इस बार गंभीर विवाद का विषय बना है। भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों को बड़े पैमाने पर बंगाल की डियुटी में लगाया गया। सुरक्षा की दृष्टि से यह आवश्यक बताया गया। वहीं विपक्षी दलों द्वारा इसे "इच्छित परिणाम" की दिशा में चुनाव आयोग की मिली भगत बताया गया। भाजपा की शिकायतों पर त्वरित रूप से चुनाव आयोग द्वारा कार्रवाई की गई। विपक्षी दलों द्वारा चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जो शिकायतें की गई। उनका चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इस बात का आरोप टीएमसी से लेकर सभी विपक्षी दलों द्वारा सभी राज्यों में लगाया जा रहा है। महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ इत्यादि के विधानसभा और लोकसभा 2024 के चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर समय-समय पर गड़बड़ी किए जाने के आरोप भी लगाए गये हैं। चुनाव आयोग ने ना तो इस तरह के आरोपों एवं आपत्ति पर ना कोई सफाई दी ना जांच कराई। विपक्ष को इसका कोई उपयुक्त जवाब नहीं मिला, जिसके कारण अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर आम जनता के मन में भी शंका होने लगी। क्या कारण है, कि चुनाव आयोग सभी जानकारियों को छिपाना और गोपनीय रखना चाहता है। एसआईआर और चुनाव आयोग द्वारा समय समय पर नियमों में जो बदलाव किये। उसको लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी उठाकर न्याय प्राप्त करने की चेष्टा की। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया, चुनाव आयोग को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। ऐसी स्थिति में वह अभी कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे। जिसके कारण चुनाव आयोग की भूमिका का यह मामला तूल पकड़ता चला जा रहा है। राजनीतिक दलों से उठकर एसआईआर में लाखों मतदाताओं के नाम कटने से यह मामला आम जनता को सीधे प्रभावित कर रहा है। चुनाव को लेकर, यदि जनता के मन में यह बैठ जाए, कि चुनाव निष्पक्ष नहीं है। तो इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो सकती है। लोकतंत्र व्यवस्था के लिए अत्यंत खतरनाक संकेत है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून का मामला सुप्रीम कोर्ट में पिछले दो वर्षों से लंबित है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी सुनवाई शुरु की है। पिछले 10 महीने से चुनाव आयोग के निर्णय और एसआईआर को लेकर मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इस मामले में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। एसआईआर संवैधानिक है, या नहीं, इसको लेकर संवैधानिक विशेषज्ञों की अलग-अलग राय हैं। इसी बीच विधान सभाओं के भी चुनाव होते जा रहे हैं। अभी तक एसआईआरे में 5 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। इसका अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। इसके बाद भी राजनैतिक दलों और मतदाताओं को सुप्रीम कोर्ट से न्याय नहीं मिल पा रहा है। उसको लेकर अब आम जनता के बीच में भी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। नागरिकता साबित करने के लिए आम गरीब मतदाताओं को चुनाव आयोग और ट्रिब्यूनल के चक्कर लगाने पड़े। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया वर्तमान में विवादित है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को निर्णयों की निष्पक्षता पर संदेह होना स्वाभाविक है।

पिछले 75 वर्षों में भारत के चुनाव आयोग ने कई जटिल परिस्थितियों में सफलतापूर्वक चुनाव कराए हैं। चुनाव आयोग की साख अंतरराष्ट्रीय स्तर में सबसे बेहतर थी। वर्तमान परिस्थितियों मे चुनाव आयोग को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना, चुनाव से संबंधित सभी जानकारियों को सार्वजनिक करना, चुनाव प्रक्रिया को स्पष्ट और न्यायसंगत बनाना चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के लिए भी जरूरी हो गया है। संसद में चुनाव आयुक्त के खिलाफ यदि महाभियोग प्रस्ताव आ जाता है। यह बहुत गंभीर स्थिति है। यह अलग बात है , दोनों सदनों ने महाभियोग प्रस्ताव को अस्वीकर कर दिया है। इससे चुनाव आयोग पर मिलीभगत और सरकार के दबाव में काम करने के जो आरोप लग रहे है। वह खत्म नहीं हुए। बल्कि यह माना जाने लगा , चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उसे सरकार और भाजपा का संरक्षण प्राप्त है। भारत में संविधान और लोकतंत्र के प्रति आस्था बनाए रखना है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को साख को फिर से मजबूत बनाना होगा। चुनाव आयोग केवल एक संस्था नहीं है। लोकतंत्र की आत्मा का प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों की स्वतंत्रता बनाए रखने का काम चुनाव आयोग करता है। उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो यह एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक बड़ा संकट बन जाता है।इस मामले में न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। वह संविधान और कानून का पालन कराने में अपनी शक्ति और भूमिका का सही ढंग से पालन करे। बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल इत्यादि पड़ोसी देशों में जिस तरह की प्रतिक्रिया आम जनता की देखने में आई है। समय की मांग है, चुनाव आयोग आयोग चुनौतियों का सामना और जवाबदेही के साथ चुनाव कराये। जनता का विश्वास, चुनाव आयोग पर बहाल हो। न्यायपालिका को भी अपनी जिम्मेदारी को समझाना होगा। पिछले 10 महीने में न्यायपालिका की जो भूमिका देखने को मिली है।

उसके बाद यह घारणा बनने लगी है, अप्रत्यक्ष समर्थन कहीं ना कहीं न्यायपालिका से भी चुनाव आयोग को मिल रहा है। यदि यह संदेश गया, तो स्थिति आगे चलकर खतरनाक हो सकती है। समय रहते न्यायपालिका को विवादों को त्वरित रुप से सुलझाने के लिए आगे आना होगा। तारीख पर तारीख की आम जनता के बीच तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जो न्याय पालिका की साख को कमजोर कर रही है।

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की।
- गुरु गोविंद सिंह

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल। - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, सप्तमी, शनिवार, श्रवण नक्षत्रे, शुभ योगे, वल करणे, मकर की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योग 34/18 व्यापार, वाहन क्रय विक्रय तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, जिद्दी-हठी, कुछ कर दिखाने की तमन्ना रखने वाला, स्वेच्छाचारी वृत्ति वाला, खुद के सिद्धांत का घोषक, दयालु, दयावान, शिक्षक, शिक्षाविद, शिक्षा शास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, लेखक-कवि, पत्रकार, फिल्म निर्माता होगा।

मेष राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, स्त्री शरीर कष्ट, कुछ बाधायें चिन्तामय रखेंगी।

वृष राशि :- मान-प्रतिष्ठा में प्रमुख वृद्धि होगी, कार्य कुशलता से संतोष होगा, रुके हुए कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- क्रोध से अशांति तथा झगड़े से बचें, क्रोध से कार्य अवरोध होगा एवं हानि होगी।

कर्क राशि :- कार्य-व्यवसाय में सुधार हो, कार्य कुशलता से संतोष होगा, हानि होगी।

सिंह राशि :- व्यवसाय गति अनुकूल हो, तनाव व क्लेश से अशांति, व्यर्थ व्यय होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि :- योजनाएँ फलीभूत हों, अधिकारियों के तनाव से बचें, सतर्क रहकर कार्य करें।

तुला राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें एवं कुटुम्ब की चिन्ता करें, विशेष रूप से ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- विशेष कार्य स्थिगित एवं लेन-देन के मामले में हानि होगी, कार्य होंगे।

धनु राशि :- मानसिक बेचैनी, उद्विग्नता एवं असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

मकर राशि :- क्रोध, अशांति से बचिये, मानसिक भ्रम तथा व्यवस्था नष्ट हो सकती है।

कुंभ राशि :- नवीन योजनाएं फलप्रद हों, कार्यकुशलता से संतोष होगा, ध्यान दें।

मीन राशि :- इष्ट मित्र से तनाव-क्लेश व अशांति से हानि, मनोबल बना रहेगा।

सीमा से पूंजी तक सख्तीः राष्ट्रीय सुरक्षा के नए दौर में भारत का स्पष्ट संदेश-भरोसे से पहले सतर्कता जरूरी

कांतिलाल मांडोत

भारत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी आर्थिक नीतियां अब केवल विकास के आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण से संचालित होंगी। विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों में हालिया सख्ती इसी दिशा में उठाया गया एक ठोस कदम है, जो न केवल आर्थिक ढांचे को सुरक्षित बनाने की कोशिश है, बल्कि उन खतरों के प्रति जागरूकता भी दर्शाता है जो सीमाओं के पार से अदृश्य रूप में देश में प्रवेश कर सकते हैं। पाकिस्तान से आने वाले निवेश पर सीधी पाबंदी और सरकार की पूर्व अनुमति को अनिवार्य बनाना इसी सोच का हिस्सा है।

यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश भी है। वर्षों से भारत आतंकवाद, घुसपैठ और आर्थिक गतिविधियों के जरिए अस्थिरता फैलाने के प्रयासों का सामना करता रहा है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि निवेश जैसे संवेदनशील माध्यमों का दुरुपयोग न हो। पैसा केवल विकास का साधन नहीं होता, वह प्रभाव और नियंत्रण का माध्यम भी बन सकता है। यदि उस पर निगरानी न हो, तो यह राष्ट्रीय हितों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है।

सरकार का यह निर्णय खास तौर पर इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। जिन देशों की भारत के साथ भूमि सीमा लगती है, उन सभी के लिए यही नियम लागू होंगे। इसका मतलब यह है कि अब कोई भी निवेश, चाहे वह सीधे आए या किसी तीसरे देश के जरिए, उसकी पूरी जांच होगी। 'बेनिफिशियल ओनर' यानी वास्तविक मालिक की पहचान पर जोर देकर सरकार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि निवेश के पीछे छिपे वास्तविक स्रोत को उजागर किया जा सके।

इस कदम के पीछे की सबसे बड़ी चिंता राष्ट्रीय सुरक्षा है। रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्र केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील हैं। इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का विदेशी हस्तक्षेप, खासकर उन देशों से जिनके साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं, जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए इन क्षेत्रों में पाकिस्तान से निवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना एक स्वाभाविक और आवश्यक निर्णय माना जा सकता है।

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान ने कई बार भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष तरीकों का सहारा लिया है। आतंकवाद को समर्थन, हवाला के जरिए फंडिंग, और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देना—ये सब ऐसे उदाहरण हैं जिनके कारण भारत को हमेशा सतर्क रहना पड़ा है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि आर्थिक निवेश के जरिए कोई खतरा नहीं होगा, वास्तविकता से आंख मूंदने जैसा होगा। इसलिए यह जरूरी है कि हर निवेश को केवल आर्थिक अवसर के रूप में न देखा जाए, बल्कि उसके संभावित प्रभावों का भी आकलन किया जाए।

यहां यह समझना भी जरूरी है कि भारत का यह कदम किसी देश के खिलाफ नफरत या भेदभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक और सुरक्षा-केंद्रित नीति है। हर देश अपने हितों की रक्षा के लिए ऐसे कदम उठाता है। अमेरिका, चीन और यूरोप के कई देश भी संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी निवेश को लेकर सख्त नियम रखते हैं। ऐसे में भारत का यह निर्णय वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप ही है।

लेकिन इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत को अब भावनात्मक नहीं, बल्कि यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। पाकिस्तान के साथ संबंधों का इतिहास विश्वास से अधिक अविश्वास का रहा है। हर बार जब संवाद और सहयोग की बात हुई, किसी न किसी रूप में विश्वास को ठेस पहुंची। ऐसे में आर्थिक संबंधों में भी सतर्कता बरतना आवश्यक हो जाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। ऐसे में यह जरूरी है कि निवेश के दरवाजे खुले रहें, लेकिन उन पर मजबूत चौकीदारी भी हो। यह संतुलन ही भारत को सुरक्षित और मजबूत बनाएगा।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के "सांस्कृतिक पुनर्जागरण" के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में "बंगाली अस्मिता" और "हिंदू पहचान" के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। "वंदे मातरम्" का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि "सांस्कृतिक सुरक्षा" स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान "जय श्रीराम" जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल "हिंदी बनाम बंगाली" के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को "हिंदू पुनर्जागरण" कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में जनादेश 2026- सत्ता का नया सवेरा -9 मई 2026 रबिन्द्रनाथ टैगोर की जयंतीः नई सरकार का शपथ ग्रहण -कई गंभीर चुनौतियां

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की सामूहिक चेतना, राजनीतिक परिपक्वता और शासन के प्रति अपेक्षाओं का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब होते हैं।4 मई 2026 को आए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह स्थापित कर दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही निहित होती है। जब कोई नेतृत्व जनता की अपेक्षाओं से दूर जाने लगता है या उसे हल्के में लेने की भूल करता है, तो वही जनता उसे सत्ता के शिखर से नीचे लाने में देर नहीं करती। इस चुनाव में एक ऐतिहासिक और अप्रत्याशित परिणाम सामने आया, जहां न केवल सत्ता परिवर्तन हुआ बल्कि तीन-तीन वर्तमान मुख्यमंत्रियों की हार ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की गहराई और शक्ति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया। पश्चिम बंगाल में 206 सीटों के अभूतपूर्व जनादेश के साथ सत्ता परिवर्तन ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय खोल दिया है, जिसकी गूंज राष्ट्रीय सीमाओं से परे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक सुनाई दे रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव परिणाम केवल आंकड़ों का खेल नहीं है,बल्कि यह एक गहरे राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन का संकेतक है। लंबे समय तक राज्य की राजनीति पर प्रभाव रखने वाली ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीमसी को इस चुनाव में करारा झटका लगा। विशेष रूप से भवानीपुर जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली सीट से उनकी हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि मतदाता अब परंपरागत राजनीतिक समीकरणों से आगे बढ़कर बदलाव की ओर देख रहा है। दूसरी ओर, बीजेपी की यह जीत न केवल ऐतिहासिक है बल्कि यह उनके लंबे राजनीतिक संघर्ष और रणनीतिक विस्तार का परिणाम भी है।2014 में सीमित उपस्थिति से शुरू हुई यात्रा, 2019 में मजबूती, 2021 में चुनौतियों का सामना और अंततः 2026 में स्पष्ट बहुमत यह क्रमिक विकास भाजपा के संगठनात्मक कौशल और रणनीतिक सोच को सटीक रूप से दर्शाता है। साथियों पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद अब सरकार बनाने की हलचल तेज हो गई है जहां 206 सीटें जीतकर एक इतिहास रच दिया गया है सबसे चौकनें वाली बात टीएमसी को 80 सीटें व उनके लिए सबसे सुरक्षित सीट मानी जाने वाली भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से 15000 से अधिक वोटो से खुद ममता बनर्जी का हार जाना तथा अब वहां आरोप प्रत्यारोप व समाधान का दौर बहुत तेजी से शुरू हो गया है जो स्वाभाविक रूप से हर राज्य के विधानसभा चुनाव व सांसद के चुनाव में होता रहता है, अपनी खींज़ निकलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 100 से अधिक सीटों पर धांधली एवं गड़बड़ियाँ हुई है उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा का कमीशन बताते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव एजेंटों को घुसने नहीं दिया,तो इसके जवाब में भाजपा ने कहा कि यह जीत सिर्फ भाजपा की नहीं बल्कि उन सभी सनातनियों हिंदू बौद्ध सिख जैन सहित सभी समुदायों की जीत है बंगाल में 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है, 9 मई को शपथ ग्रहण के साथ एक नईराजनीतिक पारी की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी जिस पर पूरे विश्व की नजर लगी हुई है, साथ ही वैश्विक व घरेलू निवेशकों शेयर बाजार व विकास के बुनियादी ढांचों व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है। बता दें भाजपा इतिहास में पहली बार पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने जा रही है राजनीति के गलियारों में सुवेंदुअधिकारी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन की चर्चा जोरों से चल रही है जिसपर केंद्रीय नेतृत्व के साथ मंथन बाद आधिकारिक मोहर लगेगी पीएम ने यह संदेश पहले ही दे दिया था कि उनकी पार्टी का फोकस बदलाव पर होगा बदले पर नहीं राज्य में हिंसा को जड़ से समाप्त कर पूरी तरह विकास की नई राजनीति शुरू होगी जिसका प्रभाव राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय राजनीति अर्थव्यवस्था निवेश इत्यादि अनेक क्षेत्रों पर पड़ने की पूरी संभावना है। साथियों बात अगर हम इस चुनाव परिणाम क़े सबसे महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह यह है कि यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं,बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का संकेत देता है। पीएम ने इसे जनता की शक्ति और सुशासन की जीत बताया,जो इस बात को रेखांकित करता है कि मतदाता अब विकास, पारदर्शिता और प्रभावी शासन को प्राथमिकता दे रहा है। पार्टी ने अपने चुनाव अभियान में राष्ट्रीय सुरक्षा, अवैध घुसपैठ पर नियंत्रण, सीमा सुरक्षा, सिलीगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक अहमियत, नागरिकता संशोधन कानून और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी। इसके साथ ही कानून- व्यवस्था, औद्योगिक विकास, महिलाओं की सुरक्षा और केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को भी अपने एजेंडे में शामिल किया। इन मुद्दों ने मतदाताओं के बीच एक व्यापक प्रभाव डाला, जिससे पार्टी को निर्णायकसटीक जनादेश प्राप्त हुआ। साथियों हालांकि, इस जीत के साथ भाजपा के सामने कई गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हैं।पश्चिम बंगाल का सामाजिक ताना-बाना अत्यंत जटिल और बहुआयामी है, जिसमें क्षेत्रीय पहचान,भाषाई गौरव और सांस्कृतिक विविधता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

घायल की इलाज के दौरान मौत, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने लगाया जाम

हाजीपुर। वैशाली जिले में सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। गुरुवार को शव के पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजनों ने सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के अंधराबर चौक के पास सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना बीते देर रात हुई जब सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के अंधराबर चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें एक निजी पिकअप वाहन से सहदेई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सहदेई स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया था। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही बड़े भाई सुरेश साहनी की मौत हो गई। छोटे भाई असेशर साहनी की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। मृतक सुरेश साहनी के घर में इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि सहदेई बुजुर्ग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा चुकी है और स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही आम बात है। इस घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत उजागर की है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और स्थिति को शांत किया। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

मुजफ्फरपुर में जल्द खुलेंगे आधुनिक मछली बाजार, चार जगह पर मिलेंगी ताजी-जिंदा फिश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मछली प्रेमियों के लिए जल्द ही आधुनिक मछली बाजारों की शुरुआत होगी। शहर में मछली कारोबार को व्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिए चार प्रमुख स्थानों पर नए बाजार विकसित किए जाएंगे। भगवानपुर चौक, नीम चौक, लक्ष्मी चौक और संजय सिनेमा चौक पर भूमि चिन्हित कर ली गई है, और निर्माण काम शीघ्र शुरू होगा। इस योजना से उन मछली विक्रेताओं को लाभ मिलेगा जो अब तक सड़क किनारे या खुले में मछली बेचते थे। नए बाजारों में उन्हें स्थायी दुकानें और निर्धारित स्थान मिलेंगे, जिससे उनका व्यवसाय सुरक्षित और व्यवस्थित हो सकेगा। इन बाजारों में सुधा आउटलेट की तर्ज पर आधुनिक डिजाइन वाले स्टॉलों में मछलियां बेची जाएंगी।

ग्राहकों को ताजी और जीवित मछली चुनने का अवसर मिलेगा, क्योंकि मछलियों को जिंदा रखने की विशेष व्यवस्था होगी। साथ ही, सही वजन और उचित कीमत की गारंटी भी दी जाएगी। नए बाजारों में पक्के प्लेटफॉर्म, साफ-सफाई, बिजली और पानी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे गर्मी और बारिश में मछली खराब होने की समस्या कम होगी, और व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। इन बाजारों में केवल कच्ची मछली ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार के फिश प्रोडक्ट भी उपलब्ध होंगे। इनमें फिश कटलेट, मछली कबाब, फिश फिंगर्स, झींगा फ्राई और मछली के अंडों से बना विशेष व्यंजन 'गबोली डांगर' जैसे आइटम शामिल होंगे। जिला मत्स्य पदाधिकारी रणधीर कुमार ने बताया कि यह परियोजना राज्य सरकार की 'सात निश्चय-3' के तहत मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना का हिस्सा है। पूरे बिहार में कुल 100 आधुनिक मछली बाजार विकसित किए जाने हैं। पहले चरण में मुजफ्फरपुर सहित 9 जिलों में 30 बाजारों का निर्माण किया जाएगा।

चलती बस में छात्रा से छेड़खानी, एफआईआर दर्ज, पटना से एग्जाम देकर मुजफ्फरपुर लौट रही थी

मुजफ्फरपुर। पटना से परीक्षा देकर लौट रही एक छात्रा के साथ चलती बस में छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि बस के कंडक्टर ने सफर के दौरान छात्रा के साथ बदसलूकी की और कई बार 'बैड टच' किया। करीब ढाई घंटे तक छात्रा भय और तनाव में सफर करती रही। मुजफ्फरपुर पहुंचने के बाद उसने हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, पीड़िता मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। बुधवार को वह पटना परीक्षा देने गई थी। परीक्षा खत्म होने के बाद शाम में एक निजी बस से मुजफ्फरपुर लौट रही थी। इसी दौरान वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के पास बस के कंडक्टर ने उसके साथ बदतमीजी शुरू कर दीं। छात्रा ने विरोध किया, लेकिन आरोपी कंडक्टर नहीं माना और पूरे रास्ते उसे परेशान करता रहा। आरोप है कि सफर के दौरान उसने कई बार छात्रा को गलत तरीके से छूने की कोशिश की, जिससे वह पूरी तरह सहम गई। मुजफ्फरपुर बस स्टैंड पहुंचने के बाद छात्रा किसी तरह घर पहुंचकर उसने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद देर रात परिजन छात्रा को लेकर सदर थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। घटना वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र की होने के कारण मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस ने तकनीकी प्रक्रिया के तहत 'जीरो FIR' दर्ज की है। इसके बाद मामले को आगे की कार्रवाई के लिए सराय थाना भेज दिया गया है। सदर थानाध्यक्ष नवलेश कुमार आजाद ने बताया कि चलती बस में छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। छात्रा के बयान के आधार पर जीरो FIR दर्ज कर ली गई है और केस को सराय थाना स्थानांतरित किया गया है। पुलिस ने छात्रा द्वारा उपलब्ध कराए गए बस के विवरण और कंडक्टर के मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली है। बताया जा रहा है कि आरोपी पटना के बड़ी पहाड़ी इलाके का रहने वाला है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की तैयारी में जुट गई है।

'पहले रेप की कोशिश, अब गोली मारने की धमकी दे रहे', पूरा परिवार डरा हुआ है

मुजफ्फरपुर। "मैंने अपने कोच के खिलाफ डेढ़ महीने पहले रेप की कोशिश करने का केस दर्ज कराया था। अब कोच मुझे फोन कर धमकी दे रहा है कि जब भी मैं तुम्हें देखूंगा, तो गोली मार दिया। कोच को पुलिस ने अभी तक अरेस्ट नहीं किया है। अब पुलिस भी केस को मैनेज करने की कोशिश कर रही है।" दरअसल, मुजफ्फरपुर की एक 17 साल के नाबालिग रग्बी खिलाड़ी ने अपने ही कोच पर यौन उत्पीड़न, जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। एफआईआर दर्ज होने के डेढ़ महीने बाद पीड़िता का कहना है कि पहले कोच ट्रेनिंग के दौरान छेड़छाड़ करता था, करियर बर्बाद करने की धमकी देकर दबाव बनाता था। अब केस दर्ज होने के बाद उसे गोली मारने की धमकी दी जा रही है। मामला दर्ज होने के करीब डेढ़ महीने बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पीड़िता ने बताया कि जब वह रग्बी ट्रेनिंग के लिए मैदान जाती थी, तब आरोपी कोच राहुल कुमार महतो उसके साथ गलत हरकत करता था। वह अकेले में मिलने के लिए दबाव बनाता था और जबरन गलत काम करने की कोशिश करता था। विरोध करने पर टीम से निकालने और खेल करियर खत्म करने की धमकी देता था। 23 मार्च को पीड़िता ने पटना के कंकड़बाग थाने में जीरो FIR दर्ज कराई थी। बाद में मामला मुजफ्फरपुर के तुर्की थाना ट्रांसफर किया गया, जहां 25 मार्च को केस दर्ज हुआ। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को ऑडियो सबूत भी दिए हैं, जिसमें कोच उससे अश्लील बातें करता सुनाई दे रहा है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी सिर्फ उसके साथ ही नहीं, बल्कि अन्य महिला खिलाड़ियों के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करता था। कई लड़कियों ने यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और अवैध उगाही को लेकर शिकायत की थी। डर और दबाव के कारण करीब 10-15 लड़कियों ने ट्रेनिंग के लिए मैदान आना तक छोड़ दिया। नाबालिग खिलाड़ी बिहार टीम की ओर से दो बार नेशनल स्तर पर रग्बी खेल चुकी है। लेकिन कोच की प्रताड़ना के कारण वह लगातार मानसिक तनाव में थी। मामले में नया मोड़ तब आया जब पीड़िता ने आरोप लगाया कि केस दर्ज होने के बाद अब आरोपी उसे गोली मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का कहना है कि जिन लड़कियों ने उसके समर्थन में शिकायत की थी, उन्हें भी अलग-अलग माध्यमों से डराया जा रहा है। आरोपी कहता है कि वह पीड़िता को गोली मार देगा।

तेज आंधी के साथ बारिश, ओले गिरे, कई जगहों पर पेड़ टूटे

एजेंसी, पटना

पेट्रोल पंप की दीवार ढही, 10 शहरों में छाए बादल

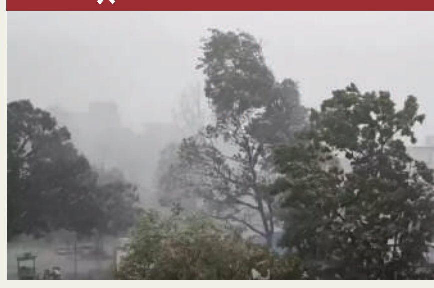

पिछले 10 दिनों से बिहार में बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। राज्य के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग ने आज भी 14 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली के साथ ही ओले भी गिर सकते। साथ ही 50km प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। पटना में आज शाम तेज बारिश के बीच ओले भी गिरे। दिन में ही अंधेरा छाया है और तेज आंधी भी चल रही है। बारिश के बीच राजधानी में कई जगहों पर पेड़ टूट गए। जबकि आर ब्लॉक स्थित एक पेट्रोल पंप की दीवार ढह गई। वहीं 10 शहरों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक आंधी-बिजली, बारिश और ओला गिरने को लेकर अलर्ट जारी किया है। राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं। बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने और पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव दिख रहा है।

विभाग ने 10 मई से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना जताई है, जिसके कारण अगले कुछ दिनों तक मौसम सामान्य बना रह सकता है। बीते 24 घंटे में जमुई, रोहतास, गयाजी समेत 5 जिलों में तेज बारिश हुई। गयाजी, रोहतास, लखीसराय में बारिश के साथ ओले भी गिरे और कई जिलों में बादल छाए रहे।

पटना में कैसा रहेगा मौसमः राजधानी में भी मौसम सुहावना बना रह सकता है। विभाग के अनुसार, शुक्रवार को पटना में बादल छाए रहने, हल्की बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिनभर उमस कम रहने और बीच-बीच में हवा चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि शाम और रात के समय गरज के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

प्राचीन देवी मंदिर में चोरी, मूर्ति की सोने की नथिया ले उड़े चोर

मंदिर परिसर में की तोड़फोड़, पुलिसिंग पर उठे सवाल

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के देवकुली गांव स्थित एक प्राचीन देवी मंदिर में देर रात चोरी की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात चोरों ने NH-30 किनारे स्थित मंदिर का ताला काटकर देवी मां की सोने की नथिया चोरी कर ली और मंदिर के अंदर तोड़फोड़ भी की। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह तब हुई, जब मंदिर के पुजारी और कमेटी सदस्य पूजा के लिए पहुंचे। मंदिर का मुख्य गेट खुला मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। मां की मूर्ति का मुकुट भी अस्त-व्यस्त था, जबकि सोने की नथिया गायब थी।

50 हजार से अधिक की बताई जा रही कीमतः मंदिर कमेटी सदस्य विनय कुमार सिंह ने बताया कि चोरी हुई सोने की नथिया की कीमत 50 हजार रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि पास के एक अन्य मंदिर में भी चोरों ने ताला काटकर चोरी की कोशिश की, लेकिन वहां कोई कीमती सामान नहीं मिलने से वे सफल नहीं हो सके।

कमेटी सदस्यों के अनुसार, चोरी की घटना रात 1 बजे से 4 बजे के बीच हुई होगी। उन्होंने इलाके में पुलिस गश्त की कमी पर सवाल उठाते हुए कहा कि NH रोड पर लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मंदिर कमेटी की ओर से अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में आवेदन दिया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और चोरों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

'जीविका दीदियों को जल्द दूसरी किश्त भेजी जाएगी'

एजेंसी, पटना

- कुर्सी संभालते ही श्रवण कुमार का ऐलान, बोले- 5 किश्तों में होगा 2 लाख का भुगतान

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को अपनी कुर्सी संभाली। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया, जीविका दीदी को जल्द दूसरी किस्त भेजी जाएगी। तैयारी चल रही है। 5 किश्त में 2 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। अगर कोई जीविका दीदी रोजगार शुरू करना चाहती हैं तो उन्हें 10 लाख रुपए तक की राशि दी जाएगी। श्रवण कुमार ने कहा कि चुनाव से पहले 1.81 करोड़ जीविका दीदियों को पहले किश्त के रूप में 10 हजार रुपए दिए गए हैं।

इधर, मद्य निषेध मंत्री मदन सहनी ने आज अपनी कुर्सी संभाली। उन्होंने कहा, शराबबंदी के बाद भी शराब की बिक्री हो रही है। इसे लेकर सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है। दिलीप जायसवाल ने आज राजस्व विभाग की कमान संभाली। उन्होंने कहा, राजस्व डिपार्टमेंट का काम बहुत चुनौती वाला है। निशांत कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की कुर्सी संभाली। उन्होंने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। जब उनसे पूछा गया कि स्वास्थ्य मंत्री का पहला कदम क्या होगा। इस पर उन्होंने कहा, जानूंगा, सीखूंगा फिर करूंगा। मेरे पिताजी ने बिहार को आगे बढ़ाय है। मैं उसे और आगे लेकर जाऊंगा।

बिहार में नई सरकार के गठन के 22 दिन बाद गुरुवार को सम्राट कैबिनेट का विस्तार कर दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग समेत 6 विभाग अपने पास रखे हैं। डिप्टी सीएम बिजेंद्र प्रसाद यादव को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि विजय कुमार चौधरी जल संसाधन विभाग संभालेंगे।

दीदारगंज में कॉलेज स्टूडेंट की गोली मारकर हत्या, घर से बुलाकर खेत में मारी गोली

एजेंसी, पटना

- इलाके में तनाव परिजनों ने पुलिस पर उठाए सवाल

पटना से सटे दीदारगंज थाना क्षेत्र के कोठिया गांव में गुरुवार देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक कॉलेज छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान राजू यादव के 19 वर्षीय पुत्र हर्ष उर्फ यश कुमार के रूप में हुई है। वारदात के बाद इलाके में आक्रोश और तनाव का माहौल है।

घर से बुलाकर खेत में मारी गोलीः परिजनों के मुताबिक, हर्ष रात में खाना खाने के बाद घर पर था। इसी दौरान पड़ोसी गांव महमदपुर के चार युवकों ने उसे फोन कर बाहर बुलाया। हर्ष उनके साथ चला गया, जहां अपराधियों ने गांव के पास एक खेत में ले जाकर उसके सीने में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए।

अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौतः गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में हर्ष को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोपः घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। परिजनों का कहना है कि वरीय अधिकारियों को फोन करने के बाद करीब दो घंटे बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। उनका आरोप है कि हत्या की सूचना देने पर स्थानीय थाने से जवाब मिला कि 'थाने आकर आवेदन दे दीजिए।'

ग्रामीण एसपी ने संभाली जांचः मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार और फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने जांच की कमान संभाली। पुलिस ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए FSL टीम को बुलाया है। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

पुरानी रंजिश में हत्या की आशंकाः पुलिस की शुरुआती जांच में मामला आपसी विवाद या पुरानी रंजिश से जुड़ा माना जा रहा है। हालांकि, हत्या के पीछे की असली वजह का अभी आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

टीआरई-4 कैंडिडेट्स को दौड़ाकर पीटा

एजेंसी, पटना

- महिला अभ्यर्थी को पुलिस वालों ने पैर से कुचला, कपड़े उतारकर सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारी

पटना में शुक्रवार को TRE-4 कैंडिडेट्स पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कैंडिडेट्स को सड़कों पर दौड़ा-दौड़कर पीटा गया। इस दौरान कई के सिर फटे हैं। महिला कैंडिडेट को पुलिस वालों ने पैरों से कुचला। कैंडिडेट्स ने कहा, हम आने वाले भविष्य के टीचर हैं। ये लोग हमें गुंडा समझ कर पीट रहे हैं। लाठीचार्ज के बाद सड़कों पर कैंडिडेट्स की चप्पलें बिखरी दिखीं। एक कैंडिडेट के कपड़े सीने तक खून से सने थे। लाठीचार्ज के बाद कैंडिडेट्स ने आधे कपड़े उतार दिए और सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। बारिश के बीच अभ्यर्थी सड़क पर डटे हैं। कैंडिडेट्स की मांग है कि सरकार आज ही TRE-4 की वैकेंसी जारी करे। आज सुबह 10 बजे कैंडिडेट्स वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी BPSC ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने JP गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार कैंडिडेट्स शामिल हैं।

वाटर कैनन बुलाई, लेकिन सीधे लाठीचार्ज कर दियाः लाठीचार्ज से पहले पुलिस ने कैंडिडेट्स को JP गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान 3 बसों से लाठियां मंगवाई गईं। वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले भी मंगवाए गए थे, लेकिन इन सबका इस्तेमाल किए बिना ही पुलिस ने सीधे लाठीचार्ज कर दिया। छात्र नेता दिलीप का कहना है कि अभ्यर्थियों को बरगलाया जा रहा है। BPSC परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि TRE-4 का विज्ञापन तीन-चार दिनों में जारी कर दिया जाएगा और 25-26 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब 8 मई हो चुकी है और अभी तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इधर, अभ्यर्थियों का कहना है कि, हमलोग जमीन गिरवी रखकर तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सरकार धोखा दे रही है। नए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी को जल्द इस पर एक्शन लेना चाहिए। शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद मिथिलेश तिवारी ने कहा, हम सबको मिलकर बिहार को बदलना है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी समस्या का जल्द सामाधान किया जाएगा। हम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठेंगे और समस्याओं का हल निकालेंगे। हम सभी मिलकर बिहार को आगे बढ़ाएंगे। मैं शिक्षा मंत्री जरूर हूं, लेकिन बिहार को आगे बढ़ाने का काम हर बिहारी का है। समस्या आज है तो हल भी आज ही निकलेगा।

पटना नगर निगम जल्द लॉन्च करेगा अपना ऐप

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम जल्द ही अपना डिजिटल ऐप लॉन्च करने जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को नगर निगम के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और कई सुविधाएं एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। ऐप को संचालित करने के लिए निगम ने बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से वर्चुअल प्राइवेट सर्वर (VPS) उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस ऐप के शुरू होने के बाद नागरिक घर बैठे वार्ड पार्षद और निगम अधिकारियों का नंबर प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही अपनी समस्याओं की शिकायत दर्ज कर उसके समाधान की जानकारी भी ऑनलाइन ले सकेंगे।

इस ऐप में जियोस्पेशियल तकनीक का इस्तेमाल कर "गेट माय वार्ड" फीचर भी होगा। इसके माध्यम से नागरिक अपने वार्ड की पहचान कर संबंधित अधिकारियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ऐप के माध्यम से शहर की सभी महत्वपूर्ण संपत्तियों और सेवाओं का डिजिटल नक्शा तैयार होगा। वहीं, "PMC डिजिटल एसेट्स" प्लेटफॉर्म के जरिए नगर निगम की सभी अचल संपत्तियों की जानकारी इंटरएक्टिव मैप पर उपलब्ध होगी।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में 450 बेड का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक तैयार

एजेंसी, पटना

पटना के लोकनायक जयप्रकाश नारायण (LNJP) अस्पताल में 400 बेड का अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और ट्रामा सेंटर लगभग बनकर तैयार है। छह मंजिला यह हाईटेक भवन मई के अंत तक अस्पताल प्रशासन को सौंपे जाने की तैयारी है। इसके शुरू होने से बिहार के मरीजों को स्पाइन, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स इंजरी जैसे जटिल रोगों के इलाज के लिए अब दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह नया ब्लॉक आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से सुसज्जित होगा। इसमें रोबोटिक और नेविगेशन आधारित स्पाइन सर्जरी, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, एडवांस एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा स्पोर्ट्स इंजरी यूनिट, पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स और रिहैबिलिटेशन सेंटर भी एक ही छत के नीचे मिलेंगे। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश चौधरी ने बताया कि, 'निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यदि सब कुछ योजनानुसार रहा तो मई के अंत तक बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) द्वारा भवन अस्पताल प्रशासन को सौंप दिया जाएगा। भवन के हस्तांतरण के बाद अगले महीने से मरीजों के लिए नई सुविधाएं चरणबद्ध तरीके से शुरू कर दी जाएंगी।' डॉ. चौधरी के अनुसार, कुछ तकनीकी और इंटीरियर से जुड़े कार्य अभी बाकी हैं, जिन्हें हस्तांतरण के बाद भी पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने इस भवन को बिहार के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे के लिए एक मील का पत्थर बताया, जहां मरीजों को कम खर्च में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

आईजीआईएमएस में नर्सिंग छात्राओं का आंदोलन खत्म

एजेंसी, पटना

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं का आंदोलन 48 बाद आज शुक्रवार को खत्म हो गया। स्वास्थ्य विभाग और संस्थान निदेशक के हस्तक्षेप के बाद छात्राओं ने ये फैसला किया। छात्राओं का एक डेलिगेशन स्वास्थ विभाग के अधिकारी और संस्थान के निदेशक से मिलकर अपनी बातों को उनके समक्ष रखा। बातचीत करीब 1 घंटे तक संस्थान के निदेशक कक्ष में हुई।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं के मुताबिक, बातचीत के दौरान सबसे बड़ा फैसला वाइस प्रिंसिपल रूपाश्री दासगुप्ता को लेकर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी पांचों सेमेस्टर से जुड़े अकादमिक कार्यों से वाइस प्रिंसिपल को तत्काल प्रभाव से अलग कर दिया है। फिलहाल वे किसी भी प्रकार का अकादमिक कार्य नहीं देखेंगी। साथ ही छात्राओं के आरोपों की जांच के लिए टीम गठित किया गया है। छात्राओं का कहना है कि उनकी प्रमुख मांगों पर कार्रवाई का भरोसा मिलने के बाद वे वापस अपने हॉस्टल और कक्षाओं में लौट गई हैं।

छात्राओं के प्रदर्शन की वजह से अस्पताल का गेट नहीं खुल पा रहा था। ना तो अस्पताल में एंबुलेंस जा पा रही थी, ना ही डॉक्टर्स की एंट्री हो पा रही थी। छात्राओं का आरोप था कि कॉलेज की प्रिंसिपल अनुजा डैनियल और वाइस प्रिंसिपल रुपाश्री दासगुप्ता उनके साथ मारपीट करती हैं। उन्हें गालियां देती हैं। जानबूझकर उन्हें एग्जाम में फेल किया जाता है। कई बार शिकायत के बाद भी दोनों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्राएं हाथ में पोस्टर लेकर बैठी थी। जिनपर लिखा था- कॉलेज कोठा नहीं है। छात्राओं ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को हाटने की मांग की। महिला टीचर्स भी छात्राओं के समर्थन में उतर गई थीं। आंदोलन कर रही छात्राओं ने बताया, साल 2018 से लंबित स्टाइपेंड की समस्या को भी विभाग ने गंभीरता से लिया है। स्वास्थ्य विभाग ने आश्वासन दिया है कि 7 कार्य दिवसों के अंदर स्टाइपेंड बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद छात्राओं में राहत देखी गई। छात्राओं ने यह भी मुद्दा उठाया था कि पिछले 6 महीनों से कई सेशन समय से पीछे चल रहे हैं, जिससे पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो रहे। इस पर संस्थान प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि सभी सेशन को जल्द ऑन टाइम किया जाएगा ताकि छात्राओं का भविष्य प्रभावित न हो।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने क्या आरोप लगाएः छात्राओं का प्रदर्शन बुधवार यानी 6 मई से चल रहा था। गुरुवार को भी छात्राओं ने कैंपस के अंदर प्रदर्शन किया था। धरने में साल 2021 से 2025 तक की अलग-अलग बैच की लगभग 450 छात्राएं शामिल थीं।

छात्राओं ने सुबह से ही कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया और कॉलेज के मुख्य गेट पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उनके हाथों में 'कॉलेज कोठा नही हैं', "मानसिक प्रताड़ना बंद करो", "हमें न्याय चाहिए" और "प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल को बर्खास्त करो" जैसे नारे लिखे पोस्टर और तख्तियां थीं। छात्राओं ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी नौकरियों में सीएम फेलो को मिलेगी उम्र में छूट

100 अंकों की मेरिट से होगा चयन

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के हर जिले में तैनात होने वाले सीएम फैलो को सरकारी नौकरियों में उम्र में छूट मिलेगी। इस पद के लिए योग्य युवाओं के चयन के लिए पूरी प्रक्रिया जारी की गई है। तैनाती से पहले दो हफ्ते का प्रशिक्षण कराया जाएगा। प्रयोग सफल होने पर ये संख्या बढ़ाई जाने का भी प्रस्ताव है। प्रक्रिया के तहत प्रदेश के सभी जिलों में तैनात किए जाने वाले सीएम फेलो को सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में छूट देने का प्रावधान किया गया है। पिछले

सप्ताह यूपी कैबिनेट से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब चयन प्रक्रिया और तैनाती व्यवस्था पर तेजी से काम शुरू हो गया है। अपर मुख्य सचिव नियोजन आलोक कुमार के मुताबिक, इस पद के लिए चयन यूपी स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन के तहत होगा जो मेरिट आधारित होगा। कुल 100 अंकों की चयन प्रणाली बनाई गई है, जिसमें 50 अंक लिखित परीक्षा, 30 अंक अधिमानी अर्हता और 20 अंक साक्षात्कार के निर्धारित किए गए हैं। इससे केवल अकादमिक योग्यता ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक समझ, नेतृत्व क्षमता और क्षेत्रीय कार्य अनुभव वाले युवाओं को भी मौका मिलेगा।

उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को अतिरिक्त लाभ– लिखित परीक्षा में नीति निर्माण, प्रशासनिक समझ, समसामयिक घटनाक्रम, डेटा विश्लेषण, डिजिटल गवर्नेंस और समस्या समाधान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। अधिमानी अर्हता के तहत नीति अनुसंधान, सामाजिक क्षेत्र में कार्य अनुभव, डिजिटल टेक्नोलॉजी, डाटा मैनेजमेंट, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को अतिरिक्त वेटेज दिया जाएगा। तैनाती से पहले चयनित फेलो को दो सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रयोग सफल रहने पर बढ़ाई जाएगी संख्या– शुरुआती चरण में सीमित संख्या में फेलो की तैनाती की जाएगी, लेकिन शासन ने संकेत दिए हैं कि प्रयोग सफल रहने पर फेलो की संख्या बढ़ाई जा सकती है। सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में छूट का प्रावधान इस योजना का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है।

एटीएस की तफ्तीश में बड़ा खुलासा, पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे संदिग्ध आतंकी

खातों में आती थी रकम

लखनऊ, एजेंसी। बाराबंकी और गोरखपुर से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी पिछले पांच महीने से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। हैंडलर्स ने उनको रकम भी भेजी थी। इसका खुलासा एटीएस की जांच में हुआ है। जांच एजेंसी सोशल मीडिया से मिले सुबूतों की तस्दीक कर रही है। जल्द दोनों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देगी।

एसटीएस ने बाराबंकी के दानियाल अशरफ और कुशीनगर के कृष्णा मिश्रा को गिरफ्तार किया था। बुधवार को एटीएस ने खुलासा किया था कि दोनों पाकिस्तानी हैंडलर्स शहजाद भट्टी और आईएसआई एजेंट्स के संपर्क में थे।

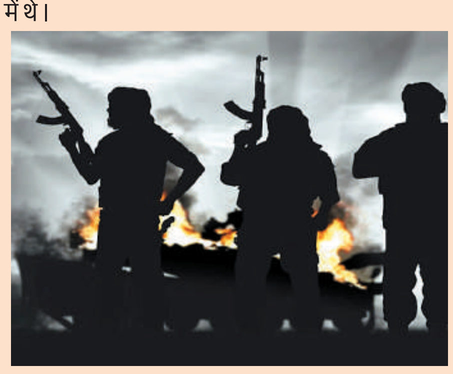

उनके कहने पर वह रक्षा प्रतिष्ठानों समेत अन्य तमाम प्रमुख व संवेदनशील स्थानों की रेकी कर रहे थे। वर्दीधारियों की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। एटीएस के मुताबिक आरोपियों खातों में पैसों का ट्रांजेक्शन मिले हैं।

ये रकम कम जरूर है, लेकिन पाकिस्तानी हैंडलर्स द्वारा भेजी गई है। आरोपी कृष्णा सोनीपत में एक जींस की शॉप में जबकि दानियाल एक ज्वैलरी की दुकान पर काम करता था। एटीएस का कहना है कि रिमांड पर लेकर आरोपियों से पूछताछ की जाएगी, जिससे पता चल सकेगा कि हथियार किसने मुहैया कराया था।

चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर रालोद कार्यकर्ताओं ने किया हवन

समाज सेवा का लिया संकल्प

मेरठ, एजेंसी। मेरठ में राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं ने कमिश्नरी चौराहा स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर हवन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके पदचिन्हों पर चलकर समाज की सेवा करने का संकल्प लिया।

हवन कर दी श्रद्धांजलि– कार्यक्रम के दौरान रालोद कार्यकर्ताओं ने हवन कर स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने कहा कि उन्होंने किसान और आम जनता के हितों के लिए हमेशा संघर्ष किया और उनके आदर्श आज भी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हैं।

कई नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूद– इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज, पूर्व विधायक राजेंद्र शर्मा, सुनील रोहटा, संगीता दोहरे समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज और किसानों की सेवा करने का संकल्प लिया।

प्रदेश में औसत से 13 डिग्री तक गिरा पारा

सोमवार से सक्रिय होगा एक और पश्चिमी विक्षोभ; अलर्ट जारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में राजधानी लखनऊ समेत तराई, पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 27 मिमी बारिश जालौन में हुई, जबकि महराजगंज में 23 मिमी और झांसी में 20 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से तराई व पश्चिमी जिलों में मौसम में ठंडक बढ़ गई। कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 10 से 13 डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया। हरदोई, इटावा, बरेली और नजीबाबाद में तापमान सामान्य से करीब 13 डिग्री नीचे पहुंच गया। नजीबाबाद में 25 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे कम अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ गया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को आंधी या बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। अगले दो दिनों में बूंदाबांदी कम होने और तापमान बढ़ने के संकेत हैं। हालांकि, सोमवार से पश्चिमी यूपी में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर से हल्की बूंदाबांदी फिर शुरू हो सकती है।

बूंदाबांदी से 30 डिग्री से नीचे आया पारा– राजधानी में बृहस्पतिवार को मौसम का मिजाज दिनभर बदलता रहा। तड़के गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई तो दोपहर और शाम में रुक-रुक कर बूंदाबांदी हुई। इससे पहले कभी धूप तो कभी बादल छाए रहने से तापमान में उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। दिनभर हवा में ऐसी ठंडक घुली रही कि जेठ माह में फरवरी का अहसास हुआ। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से अधिकतम तापमान में 3.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई और पारा 30 डिग्री से नीचे पहुंच गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक शुक्रवार को भी हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और हवा में नमी बढ़ने से उमस भरी गर्मी महसूस होगी। शनिवार से पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने लगेगा। बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 29.5 और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मानसून से पहले बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज– आगामी मानसून को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में राहत आयुक्त डॉ. ऋषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को बाढ़ अनुश्रवण समिति की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 44 जिलों, 118 तहसीलों, 2500 गांवों और 5600 मजरों को बाढ़ के लिहाज से अति संवेदनशील चिन्हित किया गया है।

नगर के सभी वार्डों के पार्कों का होगा कायाकल्प

गोरखपुर , एजेंसी। शहर के सभी वार्डों में पार्कों की सूरत अब बदलने जा रही है। नगर निगम ने पार्कों के सुंदरीकरण और मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए सभी वार्डों से प्रस्ताव मांगने शुरू कर दिए हैं। इसके तहत पार्षद अपने–अपने वार्ड के पार्कों के सुधार से जुड़े प्रस्ताव निगम को भेज रहे हैं। अभी तक 34 पार्कों के लिए पार्षदों ने लगभग आठ लाख रुपये के प्रस्ताव भेजे हैं। नगर निगम की ओर से सभी पार्षदों से कम से कम एक वार्ड के कायाकल्प के लिए लगभग 12–12 लाख के प्रस्ताव मांगे गए हैं। इनमें पार्कों में हरियाली बढ़ाने, बच्चों के खेलने के उपकरण लगाने, बैठने की व्यवस्था, लाइटिंग, पाथवे और साफ–सफाई जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाने के सुझाव शामिल हैं। नगर निगम की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, अभी कई वार्डों से प्रस्ताव आने बाकी हैं। सभी प्रस्ताव मिलने और उनकी समीक्षा होने के बाद पार्कों के विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से पार्कों का सुंदरीकरण शुरू होगा।

नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा के अनुसार, नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना है ताकि लोग सुबह–शाम टहलने, व्यायाम और बच्चों के साथ समय बिताने के लिए स्वच्छ एवं आकर्षक वातावरण पा सकें।

सपा सांसद अफजाल अंसारी को मिली जमानत

महाकुंभ पर बयान के मामले में हुई सुनवाई

गाजीपुर, एजेंसी। महाकुंभ से पहले गांजा पीने को लेकर दिए गए विवादित बयान के मामले में सपा सांसद अफजाल अंसारी को बृहस्पतिवार को सीजेएम नूतन द्विवेदी की अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें मुचलके पर जमानत दे दी। मामला सितंबर 2024 में दिए गए उस बयान से जुड़ा है, जिसमें सांसद ने गांजे को वैध करने की बात कही थी।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में जमानत या अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल करने की अनुमति भी दी थी। साथ ही आदेश दिया था कि 15 दिनों तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। सांसद की ओर से एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही कार्यवाही निरस्त करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

इस संबंध में शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। इससे पहले एक मई को इलाहाबाद हाईकोर्ट की जस्टिस विक्रम डी चौहान की एकलपीठ ने अफजाल अंसारी को तीन सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट में डिस्चार्ज एप्लीकेशन दाखिल करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि यदि सांसद की ओर से डिस्चार्ज अर्जी दाखिल की जाती है तो आरोप तय करने से पहले संबंधित अदालत उस पर विचार करेगी।

हालांकि एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट पहले ही पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट का संज्ञान ले चुकी है।

महाकुंभ 2025 से पहले अफजाल अंसारी ने बयान दिया था कि गांजा को कानूनन वैध कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि कुंभ मेले में एक मालगाड़ी गांजा भी कम पड़ जाएगा। बयान के बाद शहर कोतवाली में तत्कालीन एसआई राजकुमार शुक्ला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर , एजेंसी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को अंतरजनपदीय एटीएम कार्ड चोरी व साइबर ठगी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से श्यामदेउरवा पुलिस ने 45 हजार रुपये नकद, 34 विभिन्न कंपनियों के एटीएम कार्ड, दो मोबाइल फोन और एक बाइक बरामद की है। दोनों आरोपी गोरखपुर के निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रदीप कुमार पासवान और संदीप पासवान निवासी मोहरीपुर थाना चिलुआताल, गोरखपुर के रूप में हुई है। शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि आरोपी महराजगंज, गोरखपुर और कुशीनगर जनपदों में एटीएम कार्ड चोरी करते थे और भोले-भाले लोगों की मदद करने के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदलकर खाते से रुपये निकाल लेते थे। गिरोह के गुर्गे पहले एटीएम केंद्रों की रेकी करते थे और फिर मौका पाकर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि संदेह से बचने के लिए आरोपी घूम-घूमकर सामान बेचने का काम करते थे। गिरोह पिछले चार महीनों से सक्रिय था और बीते दो महीनों में लगातार वारदातों को अंजाम दे रहा था।

पुराने मीटर पर लगाई नई सिक्योरिटी राशि

पॉवर कॉर्पोरेशन के प्रीपेड मीटर अनिवार्यता के आदेश में किया खेल

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता खत्म करने के संबंध में बृहस्पतिवार को पॉवर कॉर्पोरेशन ने आदेश जारी किया है। इस आदेश में खेल करते हुए सिक्योरिटी राशि नई कास्ट डाटा बुक के तहत जमा करने का आदेश दिया है। ऐसे में लाखों उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राशि जमा करनी होगी।

प्रदेश में करीब 83 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर के उपभोक्ता हैं। इसमें कोई कनेक्शन 10 साल पुराना है तो कोई 2 साल पहले लिया गया है। पहले से तय की गई सिक्योरिटी राशि कम थी।

साल दर साल नई कास्ट डाटा बुक के अनुसार ही सिक्योरिटी राशि भी बढ़ती गई है। पॉवर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक नीतीश कुमार ने छह मई को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की जगह सिर्फ स्मार्ट मीटर के प्रयोग के संबंध में आदेश जारी किया है। इसमें सिक्योरिटी राशि जमा करने की अपील की गई है।

यह राशि उपभोक्ताओं को चार किस्तों में जमा करनी है। सिक्योरिटी राशि जमा करने के लिए उत्तर प्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता 2005 के प्रावधानों का पालन करते हुए कास्ट डाटा बुक 20026 के अनुसार राशि जमा करने के लिए कहा गया है। इस आदेश के जारी होते ही राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने विरोध शुरू कर दिया है। परिषद का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को लाखों रुपये का चूना लगेगा।

जिस वक्त हुआ कनेक्शन उसी हिसाब से लें सिक्योरिटी राशि– परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने मांग की है कि सिक्योरिटी राशि नई कास्ट डाटा बुक के अनुसार मांगना उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। जब उपभोक्ताओं के पोस्टपेड कनेक्शन को प्रीपेड में बदला गया था तो उनकी जमा सिक्योरिटी को उनके प्रीपेड मोड में रिचार्ज कर दिया गया।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था समाप्त, 10 को मिलेगी बिल - एके शर्मा

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। आरडीएसएस योजना में स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड मोड में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब मई–2026 की विद्युत खपत का बिल जून–2026 में पोस्टपेड प्रणाली के अंतर्गत जारी किया जाएगा।

हर माह की 10 तारीख तक बिल जारी किए जाएंगे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि स्मार्ट मीटर एवं बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए 15 मई से 30 जून तक अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी कार्यालयों पर विशेष कैंप एवं सहायता केंद्र लगाए जाएंगे।

जिम में धर्मांतरण का मामला: पुलिस ने 6000 पेज की दाखिल की चार्टशीट, 10 आरोपी हैं जेल में

मिर्जापुर , एजेंसी। जिम में महिलाओं से दोस्ती के बाद उनकी अश्लील वीडियो बनाकर वसूली करने और धर्मांतरण करने के मामले में पुलिस ने छह हजार पेज की चार्जशीट (आरोप पत्र) कोर्ट में प्रस्तुत की है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों की जिला जज के यहां से पहले ही जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। मजिस्ट्रेट न्यायालय में आरोप पत्र पेश होने के बाद अब गवाहों के बयान आदि दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

देहात कोतवाली में 19 जनवरी को दो युवतियों ने जिम में धर्मांतरण कराने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें केजीएन (ख्वाजा गरीब नवाज) की तीन शाखा, बी फिट और आयरन फायर जिम में आने वाली लड़कियों से दोस्ती कर जिम संचालक व ट्रेनर उनका अश्लील वीडियो बनाकर पैसा वसूलते थे। उन्हें बुरका पहनाकर, मजार पर ले जाकर कलमा

मामले में पुलिस ने पहले आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की। मामले में पहले चार आरोपी पकड़े गए। आरोपियों में मोहम्मद शेख अली आलम निवासी नटवां मिल्लत नगर कोतवाली कटरा, फैजल खान निवासी गोसाईं तालाब

मस्जिद के पास कोतवाली शहर, जहीर और शादाब को गिरफ्तार किया। इसके बाद आयरन फायर जिम के संचालक जीआरपी सिपाही इरशाद और फरीद अहमद को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस मुख्य आरोपी इमरान खान को पकड़ने के लिए लुक आउट नोटिस जारी की थी। दिल्ली एयरपोर्ट से 25 हजार इनामी इमरान खान को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने वाले मौलवी खलीलुर्रहमान को गिरफ्तार किया गया। मुख्य आरोपी इमरान के भाई और नौवें आरोपी अशफाक उर्फ लकी अली फरार चल रहा था। पुलिस ने 14 मार्च को अशफाक उर्फ लकी खान और उसके मौसेरे भाई साहिल को गिरफ्तार किया। सभी की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के के बाद जनपद न्यायाधीश के यहां से जमानत अर्जी खारिज की जा चुकी है। देहात कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच करते हुए 18 अप्रैल को इस बड़े मामले में छह हजार पन्ने का आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। अब मजिस्ट्रेट कोर्ट में मामले की सुनवाई होगी। जिम में धर्मांतरण मामले में विवेचना पूरी करने के बाद देहात कोतवाली पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित की है। **–नितेश सिंह, एएसपी सिटी**

हाई कोर्ट का आदेश नहीं मान रहे दबंग, गोविंद नगर के ब्लॉक-8 पार्क पर जारी कब्जे की कोशिश, डीएम से मांग

सुनील बाजपेई

कानपुर। गोविन्द नगर स्थित ब्लॉक-8 के सार्वजनिक पार्क पर कथित अवैध कब्जों और निर्माण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश वीर आर्य ने जिलाधिकारी कानपुर को शिकायती पत्र देकर हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद पार्क में हो रहे नए निर्माण एवं मूर्ति स्थापना पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के चलते पार्क के लगभग 70% हिस्से पर कब्जा हो चुका है तथा वहां अवैध निर्माण एवं धार्मिक संरचनाएं खड़ी कर दी गई हैं। कई बार IGRS पर शिकायतें

किए जाने के बावजूद नगर निगम द्वारा "पुराना निर्माण" बताकर फर्जी निस्तारण किया जाता रहा। प्रकाश वीर आर्य ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 अप्रैल 2026 के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि न्यायालय ने स्वयं पार्क भूमि पर हुए निर्माण पर गंभीर टिप्पणी की थी तथा समस्त अतिक्रमण हटाकर पार्क को मूल स्वरूप में बहाल करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद वर्तमान में फिर से निर्माण और मूर्ति स्थापना कर कब्जा बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जो न्यायालय की अवमानना है। ज्ञापन में मांग की गई है कि पार्क से सभी अवैध कब्जे हटाए जाएं, नगर निगम द्वारा कराई गई इंटरलॉकिंग हटाकर पार्क को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए तथा दोषी अधिकारियों और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय, अब तक 3 की मौत

प्राया। अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप MV होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। BBC के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने AFP से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। WHO ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है। डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। हार्वर्ड के प्रोफेसर एलन ने बताया कि हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है, क्योंकि इसका इन्क्यूबेशन पीरियड लंबा होता है। शरीर में वायरस के घुसने से लेकर पहले लक्षण दिखने के बीच के समय को इन्क्यूबेशन पीरियड कहते है। डॉक्टर के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि वायरस किसी व्यक्ति के शरीर में कब तक रह सकता है। WHO प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रेसियस ने कहा कि हंतावायरस का इंक्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है। इसलिए आगे भी नए मामले सामने आने की आशंका बनी हुई है।

ट्यूनीशिया में पत्रकार जियेद हेनी को एक साल की जेल

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया की एक अदालत ने चर्चित पत्रकार जियेद हेनी को न्यायपालिका की आलोचना करने के मामले में एक वर्ष की जेल की सजा सुनाई है। इस फैसले के बाद देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी को लेकर बहस तेज हो गई है। जियेद हेनी को पिछले महीने उस समय हिरासत में लिया गया था, जब उन्होंने एक लेख में न्यायपालिका के एक फैसले की आलोचना की थी। उनके वकील नफा लारी बी ने अदालत के फैसले को "कठोर" बताते हुए कहा कि यह ट्यूनीशिया में स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर बढ़ती पाबंदियों को और मजबूत करता है। सजा सुनाए जाने से एक दिन पहले हेनी ने जेल से अपने परिवार के माध्यम से एक पत्र जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा कि वह इस मामले में किसी भी फैसले के खिलाफ अपील नहीं करेंगे क्योंकि वह इस मुकदमे को वैध नहीं मानते। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। मानवाधिकार संगठनों और पत्रकार संगठनों का कहना है कि राष्ट्रपति कैस सईद के सत्ता केंद्रीकरण के बाद देश में स्वतंत्र आवाजों पर दबाव लगातार बढ़ा है। वर्ष 2021 में राष्ट्रपति सईद ने निर्वाचित संसद को भंग कर दिया था और बाद में अध्यादेशों के जरिए शासन शुरू किया। इसके बाद 2022 में उन्होंने सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल को भी भंग कर कई न्यायाधीशों को पद से हटा दिया था। विपक्षी दलों ने तब आरोप लगाया था कि इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता कमजोर हुई है। हालांकि राष्ट्रपति सईद इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने न्यायपालिका में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की है और देश में स्वतंत्रता पूरी तरह सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि 2011 में ट्यूनीशिया में हुए जनआंदोलन के बाद अभिव्यक्ति की आजादी में काफी विस्तार हुआ था और इसी आंदोलन ने "अरब स्प्रिंग" की शुरुआत की थी लेकिन हाल के वर्षों में विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कारोबारियों की गिरफ्तारी ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

एमपी और यूपी में आंधी-बारिश से 10° तक घटा तापमान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, पाकिस्तान से सटे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और गंगा से सटे बंगाल के इलाकों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। दक्षिण में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई जिलों में भी अगले 7 दिन तक भारी बारिश होगी। शुक्रवार को एमपी में आंधी बारिश के बाद तापमान 34°C तक पहुंच गया। यूपी में भी बारिश से राहत रही। 7 दिन पहले जिस बांदा में तापमान 47.6°C था, वह 7 मई को 38°C तक पहुंच गया। हालांकि, गुजरात और महाराष्ट्र में गर्मी और उमस वाला मौसम बना हुआ है। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहां का तापमान 42.9°C दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला प्रशासन ने निजी कोचिंग संस्थानों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच क्लासेस रोकने को कहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि क्लासेस सुबह-शाम या ऑनलाइन/डिजिटली लगाई जाएं। उत्तराखंड में आज भी बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। केदारनाथ में भी गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई।

नासिक टीसीएस केस- मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में, यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप

नासिक। नासिक TCS केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं। इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। FIR के अनुसार, निदा पर आरोप है कि उसने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। मामले की जांच नासिक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) जांच कर रही है। इस मामले में अब तक 9 FIR दर्ज हुई हैं, जो महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी हैं। SIT ने इस मामले में अब तक एक महिला ऑपरेशंस मैनेजर समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। निदा ने एंटीसिपेटरी बेल के लिए अपनी प्रेग्नेंसी का हवाला दिया, लेकिन कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया था। मामले पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (TCS) ने पिछले महीने बयान में कहा था कि कंपनी किसी भी तरह के हैरेसमेंट और जबरदस्ती के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी पर काम करती है।

यूक्रेन ने रूस में विजय दिवस समारोह से पहले की ड्रोन हमलों की बौछार

एजेंसी, मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त यूक्रेन और रूस के बीच 24 फरवरी 2022 से शुरू यह युद्ध अब वैश्विक कूटनीतिक और आर्थिक तनाव का केंद्र बन गया है। रूस में नौ मई को विजय दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए रूस ने एकतरफा सैन्य विराम की घोषणा की है। यह 8 मई आधी रात से प्रभावी होगा । यूक्रेन ने गुरुवार रात रूस पर ड्रोन हमलों की बौछार की है। तास न्यूज एजेंसी और मॉस्को टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने दावा किया है कि हमले के लिए दागे गए यूक्रेन के 347 ड्रोन को मार गिराया है। यूक्रेन ने 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाने के मकसद से ड्रोन की बौछार की। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लॉन्च किए थे।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समेत कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करना पड़ा। गुरुवार दिन में भी यूक्रेन ने कई और ड्रोन भेजे। यह मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इसका असर राजधानी के हवाई यातायात पर भी पड़ा। मॉस्को के तीन बड़े एयरपोर्टशेरेमेत्येवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो से करीब 100 उड़ानें रद या देर से संचालित हुईं। महत्वपूर्ण है कि रूस के सैन्य विराम की घोषणा से पहले यूक्रेन ने भी मंगलवार आधी रात से हमले रोकने की बात कही थी।

यूक्रेन का दावा है कि उसके दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में रूसी ड्रोन हमले में तीन बच्चों समेत नौ लोग घायल हो गए। रूस ने रातभर में 102 ड्रोन दागे। उनमें से 92 को मार गिराया। रूस के सैन्य अधिकारियों ने कहा कि विजय दिवस समारोह शुरू होने से पहले सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। 9 मई को मॉस्को में मोबाइल इंटरनेट और मैसेजिंग सेवाएं भी बंद रहेंगी। इस बार परेड में टैंक, मिसाइल और भारी सैन्य उपकरण नहीं दिखेंगे। मंत्रालय ने इसकी वजह मौजूदा सुरक्षा स्थिति बताई है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि स्थिति जटिल है। बावजूद इसके विजय दिवस पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। वहीं, रूस ने यूक्रेन को चेतावनी दी है कि अगर विजय दिवस समारोह में कोई बाधा डालने की कोशिश हुई तो कीव पर बड़े स्तर का जवाबी हमला किया जा सकता है। रूस के राष्ट्रपति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि जवाबी कार्रवाई की संभावना को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कीव में मौजूद विदेशी दूतावासों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी एहतियातन अपने कार्यालय खाली करने की सलाह दी है। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने सेंट पीटर्सबर्ग में आम नागरिकों की जगहों पर ड्रोन हमले करने के लिए लातवियाई हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया। यह आरोप तब लगाया गया, जब लातविया ने कहा कि रूस की तरफ से कई ड्रोन उसके इलाके में घुस आए। लातवियाई अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार तड़के दो ड्रोन उनके इलाके में गिर गए।

सगे भाइयों ने इकलौती बहन को घर गिफ्ट किया

एजेंसी, लुधियाना

लुधियाना में सगे भाइयों ने इकलौती बहन को 175 गज का घर गिफ्ट कर दिया। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए है। भाइयों ने सरप्राइज तरीके से बहन को ये गिफ्ट दिया। वह ढोल बजाते हुए बहन को वहां ले गए। जब उन्होंने नेम प्लेट से कागज हटाया तो अपना नाम लिखा देकर बहन रो पड़ी। बहन शादीशुदा है। भाइयों का कहना है कि पिता के निधन के बाद बहन हमेशा उनके साथ खड़ी रही। इसलिए अपने घर के नजदीक ही मकान बनाकर दिया। बहन को घर गिफ्ट करने वाले दोनों भाई एक्टिंग करते हैं। एक भाई बिग बॉस के सीजन 10 में कॉमनर कंटेस्टेंट के तौर पर भी हिस्सा ले चुका है।

अमर देवगन और देव देवगन ने बताया कि उनकी बहन मनप्रीत कौर की शादी 2011 में लुधियाना में ही हुई। मनप्रीत के पति होम लोन डिपार्टमेंट में मैनेजर हैं। वैसे तो, बहन के पास पहले से ही 2 प्रॉपर्टी हैं लेकिन वह चाहते थे कि मायके से भी कुछ नया मिले। इसी वजह से उन्होंने तय किया कि बहन को कोई बड़ा सरप्राइज गिफ्ट देंगे।

♦ 175 गज में बना, कीमत करीब 50 लाख, सरप्राइज देख फूट-फूटकर रोई

पहले ब्रेजा गिफ्ट की, 5 साल से प्लानिंग कर रहे थेः भाई देव ने बताया कि इससे पहले रक्षाबंधन पर उन्होंने बहन मनप्रीत को एक्टिवा गिफ्ट दी थी। फिर 19 मई 2025 को बहन की मैरिज एनिवर्सरी थी। जिसमें उन्होंने बहन को ब्रेजा कार गिफ्ट की थी। जिसके बाद उन्होंने बहन को 175 गज का घर गिफ्ट करने की प्लानिंग की। हालांकि इसकी प्लानिंग वह 5 साल से कर रहे थे। यह घर जिंदगी भर अब बहन के साथ रहेगा।

महाराष्ट्र बोर्ड दसवीं का रिजल्ट घोषित 92.90 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

एजेंसी, पुणे

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल की आयोजित दसवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस वर्ष कुल 92.90 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। सबसे अधिक परिणाम कोंकण विभाग का रहा, जहां 97.62 प्रतिशत छात्र पास हुए, जबकि सबसे कम परिणाम छत्रपति संभाजीनगर विभाग का 88.41 प्रतिशत दर्ज किया गया।

राज्य मंडल के अध्यक्ष त्रिगुण कुलकर्णी ने पत्रकार परिषद में परिणाम घोषित किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव रनजीतसिंह देओल, शिक्षा आयुक्त सचिंद्र प्रताप सिंह, परीक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार बेडसे सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य के पुणे, मुंबई, नाशिक, लातूर, अमरावती, नागपुर, कोकण, कोल्हापुर और छत्रपति संभाजीनगर समेत नौ विभागीय मंडलों के माध्यम से परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के लिए 16 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इस बार भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा। कुल 89.56 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए, जबकि 94.96 प्रतिशत लड़कियां परीक्षा में सफल रहीं। पिछले वर्ष परिणाम 94.10 प्रतिशत रहा था, यानी इस वर्ष रिजल्ट में 2.01 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

त्रिगुण कुलकर्णी ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कॉपीमुक्त अभियान चलाया गया था। इसके तहत 271 उड़नदस्ते और महिला विशेष पथकों की नियुक्ति की गई थी। इसके अलावा जिला स्तर पर भी अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं।

नेपाल में बस्तियां खाली कराए जाने का विरोध, देश भर में भूमिहीनों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के बाद देशभर के भूमिहीन लोग सड़क पर उतर आए हैं। काठमांडू की 16 बस्तियों से नौ दिनों में 15 हजार से अधिक लोग विस्थापित किये जा चुके हैं। सरकारी और सार्वजनिक जमीन पर बने अनधिकृत ढांचों को हटाने के लिए जारी 35 दिन की नोटिस के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं। काठमांडू से नौ दिन पहले शुरू हुआ बस्ती खाली कराने का अभियान अब पूरे देश में चलाने की तैयारी है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के विरोध में भूमिहीन तथा अव्यवस्थित लोगों ने शुक्रवार को बुटवल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सरकार पहले वास्तविक भूमिहीन और अव्यवस्थित बसोबासियों की पहचान करे और पिछली सरकारों के दौरान भूमि आयोग की तय व्यवस्था के अनुसार उन्हें व्यवस्थित कर लालपुर्जा (मालिकाना प्रमाणपत्र) उपलब्ध कराए। भूमिहीन संघर्ष समिति के संयोजक खगेन्द्र पौडेल ने कहा कि सरकार ने बिना किसी तैयारी और विकल्प के डोजर चलाकर लोगों में आतंक फैलाया है। आज ही मकवानपुर जिले के हेटौंडा में भी संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर सुकुमबासियों ने सड़क पर प्रदर्शन किया। थाना भर्याङ से शुरू हुई रैली के प्रतिभागियों ने प्रमुख जिला अधिकारी और हेटौंडा के मेयर को ज्ञापन पत्र सौंपा। इसी तरह बर्दिया जिला मुख्यालय गुलरिया में भूमिहीन, मुक्त कमैया और अव्यवस्थित बसोबासियों ने प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि प्रदेश के वन मंत्रालय ने 15 दिन की नोटिस जारी कर लोगों को उजाड़ने की कोशिश की है। बर्दिया की आठों स्थानीय पालिकाओं के प्रमुखों ने बस्तियां खाली कराने संबंधी नोटिस का विरोध किया। इधर काठमांडू के माइतीघर मण्डला में भी भूमिहीन, अधिकारकर्मी और अन्य संगठनों ने अलग-अलग प्रदर्शन किए हैं। भूमिहीनों को को जबरन विस्थापित किए जाने के विरोध में काठमांडू में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार भूमिहीनों पर अमानवीय दमन कर "श्वेत आतंक" फैला रही है।

आज ही रुपन्देही जिले के मोतिपुर क्षेत्र के निवासी भी सरकार द्वारा डोजर चलाकर आतंकित किए जाने के विरोध में सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि भूमिहीनों के पुनर्वास और कानूनी अधिकार सुनिश्चित किए बिना यदि बस्तियां खाली कराई गईं, तो वे प्रतिरोध करेंगे। सरकार पर बिना तैयारी लोगों को उजाड़ने का आरोप लगाते हुए सुनसरी जिले के धरान में आज सुबह से ही प्रदर्शन जारी है। नेपाल बसोवास बस्ती संरक्षण समाज द्वारा आयोजित जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि यदि धरान की बस्तियाँ हटाने की कोशिश की गई तो उसका विरोध किया जाएगा।

शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज तक तनाव अमेरिका ने किया हवाई हमला, ईरान ने भी दिया जवाब

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य तक तनाव बढ़ गया है। ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तटीय जलक्षेत्र में एक ईरानी तेल टैंकर और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास दूसरे जहाज को निशाना बनाया। इसके अलावा दक्षिणी ईरान के बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के नागरिक इलाकों में अमेरिका की वायुसेना ने हवाई हमला किया। ईरान का दावा है कि उसने दुश्मन को माकूल जवाब दिया। अल जजीरा, इरना और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने आत्मरक्षा के लिए यह कदम उठाया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके नौसैनिक बलों पर मिसाइलों, ड्रोन और तेज गति वाली नावों से हमला किया। इसलिए हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों को "प्यार भरा थप्पड़" बताया है। उन्होंने कहा कि " सैन्य विराम जारी है। यह प्रभावी है।" उन्होंने पत्रकारों से कहाः " ईरान ने हमसे पंगा लिया। हमने उन्हें उड़ा दिया।" ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान युद्ध खत्म करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने की बात तो कह रहा है पर वह होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण औपचारिक रूप से स्थापित करने की भी कोशिश कर रहा है।

शिपिंग इंटेलिजेंस फर्म 'लॉयड्स लिस्ट' का कहना है कि जलडमरूमध्य अब बंद हो गया है। ईरान का कहना है कि उसने हाल ही में एक नई एजेंसी बनाई है। वह यहां से गुजरने वाले जहाजों को मंजूरी देने का काम करेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। इन कूटनीतिक प्रयासों के बीच, अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें गुरुवार को लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहीं। युद्ध शुरू होने से पहले यह कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल थी। तेहरान के साथ ताजा तनाव के बीच फ्लोरिडा के टैम्पा स्थित सेंट्रल कमांड ने बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि ताजा हवाई हमला आत्मरक्षा के लिए किया गया। विदेशमंत्री मार्को रूबियो ने पहले ही कह चुके हैं कि अमेरिका आत्मरक्षा करने में पीछे नहीं हटेगा। बताया गया है कि तेहरान में रात को कई जगह धमाके सुने गए। एयर डिफेंस सिस्टम को चालू किया गया। इस दौरान ईरान की राजधानी में दो धमाके हुए। ईरान के दक्षिणी इलाके के मीनाब शहर में गवर्नर ने घर से बाहर आकर एक नौसैनिक अड्डे पर हुए हमलों की पुष्टि की।

कुत्तों ने 2 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

पिता के पास सो रही थी मासूम, उठाकर 50 मीटर दूर ले गए कुत्ते

एजेंसी, झालावाड़

राजस्थान के झालावाड़ में कुत्तों के हमले में 2 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे भाटिया वर्कशॉप के पास एक अस्थायी टेंट के बाहर हुई। बच्ची पिता के साथ टेंट के बाहर सो रही थी। तभी 3-4 कुत्ते अचानक वहां पहुंचे और बच्ची को उठाकर करीब 50 मीटर दूर ले गए। आहट सुनकर पिता उठे तो बच्ची गायब थी। पिता बच्ची को ढूंढते हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कुत्तों ने बच्ची को बुरी तरह नोच डाला था। पिता ने किसी तरह कुत्तों को भगाकर बच्ची को छुड़ाया और तुरंत एसआरजी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची गोरी के पिता राजूलाल मूल रूप से बारां जिले के भंवरगढ़ के रहने वाले हैं। वे करीब डेढ़ महीने पहले काम की तलाश में झालावाड़ आए थे। वे भाटिया वर्कशॉप के पास टेंट लगाकर रह रहे थे। शादी-ब्याह में ढोल बजाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। जानकारी के अनुसार, गोरी की मां मनीषा ने 5 दिन पहले एसआरजी अस्पताल में एक बेटी को जन्म दिया है। नवजात की हालत गंभीर होने पर आईसीयू में रखा गया है।

इंदौर–खंडवा राजमार्ग परियोजना 88 फीसदी पूरी, इस साल शुरू होगा यातायात

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के बन रहे इंदौर-खंडवा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तेजाजी नगर–बलवाड़ा खंड पर चार लेन सड़क और तीन सुरंगों का निर्माण 88 प्रतिशत पूरा हो चुका है। सरकार इसे इसी साल यातायात के लिए खोलने की तैयारी में है। इस परियोजना से घाटी क्षेत्रों में यात्रा समय घटकर मात्र एक घंटे रह जाएगा और दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर भेरूघाट (575 मीटर), बैग्राम (480 मीटर) और चोरल घाट (550 मीटर) सुरंगों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इन सुरंगों से घाटी मार्गों के प्रमुख ब्लैक स्पॉट स्थायी रूप से दूर होंगे और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

स्थानीय किसानों और चालकों ने कहा कि पहले मंडियों तक माल पहुंचाना जोखिम भरा था और संकरी दो-लेन सड़क पर हर यात्रा तनावपूर्ण होती थी। अब चौड़ी सड़क और सुरंगों से जाम और दुर्घटनाओं की समस्या दूर होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस परियोजना पर 924.44 करोड़ रुपये की लागत आ रही है और इसके पूरा होने पर इंदौर से ओंकारेश्वर की यात्रा समय 2–3 घंटे से घटकर केवल 1 घंटे रह जाएगा। परियोजना में पर्यावरण और सुरक्षा उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आधुनिक जल निकासी प्रणाली, क्रैश बैरियर, सड़क सुरक्षा संकेतक, वर्षा जल प्रबंधन और हरित पट्टी के लिए वृक्षारोपण जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह कॉरिडोर न केवल धार्मिक यात्राओं बल्कि व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति देगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

एजेंसी, भोपाल

सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- "Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए।"

कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थाः सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने SIT की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है।

इंदौर के पास रायकुंडा गांव में दिया था विवाद बयानः यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा था, "जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा।" इस बयान को कर्नल कुरैशी के धर्म से जोड़कर देखा गया, जिसकी हर तरफ निंदा हुई। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। उन्होंने यहां तक कहा था- "अदालत के आदेश को लागू कराने के लिए जरूरत पड़ी तो मैं नर्क भी एक कर दूंगा।"

♦ कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार, कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

एसआईटी ने सरकार से केस चलाने की परमिशन मांगी, दो हफ्ते से लंबितः सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था। एसआईटी ने अपनी जांच पूरी कर मंत्री के खिलाफ केस चलाने (अभियोजन) के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है, जो पिछले दो हफ्तों से लंबित है। मंत्री शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 152, 196 (1) (b) और 197(1)(c) के तहत मामला दर्ज है, जो राष्ट्रीय संप्रभुता को खतरे में डालने और समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाने से संबंधित हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 09 मई, 2026

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान

शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयरः तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयरः मानव सुथार।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है। टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब

उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं। दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे। वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है। उनकी मौजूदा फॉर्म और नेतृत्व क्षमता उन्हें भारत की टी20 टीम की कप्तानी के लिए एक मजबूत दावेदार बनाती है।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका

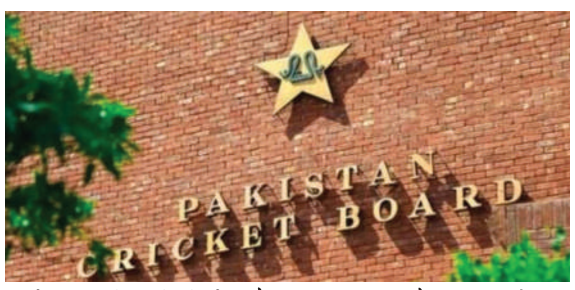

आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

आईपीएल 2026 अंक तालिका में आया हल्का बदलाव

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ जीत के साथ ही अंक तालिका में भी हल्का बदलाव आया है। आरसीबी अब 10 मैचों में चार हार और 6 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है, पहले 9 मैचों में 6 जीत और तीन हार के साथ तीसरे स्थान पर थी। वहीं लखनऊ की टीम ने जीत हासिल करने के बाद भी 10 मैचों में तीन जीत और 7 हार के साथ 10वें स्थान पर ही है। वहीं 14 अंकों के साथ सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शीर्ष पर है, जबकि 13 अंकों के साथ पंजाब किंग्स दूसरे और 12 अंकों के साथ राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर है।

स्थान टीम मैच जीत हार कोई परिणाम नहीं अंक नेट रन रेट (एनआरआर)

- 1 सनराइजर्स हैदराबाद 11 7 4 0 14 +0.737

- 2 पंजाब किंग्स 10 6 3 1 13 +0.571
- 3 रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 10 6 4 0 12 +1.234
- 4 राजस्थान रॉयल्स 10 6 4 0 12 +0.510
- 5 गुजरात टाइटन्स 10 6 4 0 12 -0.147
- 6 चेन्नई सुपर किंग्स 10 5 5 0 10 +0.151
- 7 दिल्ली कैपिटल्स 10 4 6 0 8 -0.949
- 8 कोलकाता नाइट राइडर्स 9 3 5 1 7 -0.539
- 9 मुंबई इंडियंस (MI) 10 3 7 0 6 -0.649
- 10 लखनऊ सुपर जायंट्स 10 3 7 0 6 -0.934

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट देखकर हैरान हुए विराट

एजेंसी, लखनऊ

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया,

जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये। जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भ्ररोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

संक्षिप्त

नजमुल हुसैन शांतो के शतक से बांग्लादेश मजबूत, पहले टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान पर बनाया दबाव

मीरपुर। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन शुक्रवार को शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए चार विकेट पर 301 रन बनाकर मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के बेहतरीन शतक और मोमिनुल हक के 91 रन की बदौलत मेज़बान टीम ने पाकिस्तान के गेंदबाज़ों को पूरे दिन संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया। मीरपुर की पिच पर सामान्य से अधिक घास होने के कारण दोनों टीमों ने तीन-तीन तेज गेंदबाज़ों को मौका दिया। पाकिस्तान को शुरुआती सफलता भी मिली। शाहीन शाह अफरीदी ने महमूदुल हसन जॉय को आउट किया, जबकि हसन अली ने शादमान इस्लाम को पवेलियन भेज दिया। बांग्लादेश ने महज 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे और टीम दबाव में दिखाई दे रही थी। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाज़ों ने धैर्य के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाज़ों की धार कुंद कर दी। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 170 रन की अहम साझेदारी हुई। मोमिनुल हक को पारी के दौरान जीवनदान भी मिला, जब स्लिप में सलमान आगा और पदार्पण कर रहे अब्दुल्ला फ़ज़ल के बीच से उनका कैच निकल गया। जैसे-जैसे पिच बल्लेबाज़ी के लिए आसान होती गई, दोनों खिलाड़ियों ने रन गति बढ़ाई। शांतो ने आक्रामक अंदाज़ अपनाते हुए शानदार कवर ड्राइव लगाए और सलमान आगा की गेंद पर दिन का पहला छक्का भी जड़ा।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

एजेंसी, लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं। इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर

के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं। क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने

सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मैच के दौरान टीम मालिकों को खिलाड़ियों से दूरी बनाए रखनी होगी; मालिक मैच के दौरान डगआउट या ड्रेसिंग रूम में जाकर खिलाड़ियों से बात नहीं कर सकते और न ही उन्हें गले लगा सकते हैं, क्योंकि इसे मैच की मर्यादा का उल्लंघन माना जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात, बीसीसीआई ने साफ किया है कि ड्रेसिंग रूम, डगआउट या होटल में वेपिंग (ई सिगरेट) पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत

सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

वॉन ने राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी पर नाराजगी जतायी

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नए राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जतायी है। वॉन ने कहा है कि पिछले चार माह से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) चयनकर्ता की घोषणा नहीं कर पाया है जो बेहद निराशाजनक है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एक और जहां टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रही है। वहीं दूसरी ओर चयनकर्ता का पद खाली है। ऐसे में टीम का चयन किस प्रकार किया जाएगा। ये समझ नहीं आ रहा। वॉन ने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जा सकाता है। उन्होंने नये चयनकर्ता के जल्द से जल्द पदभार संभालने की आवश्यकता पर जोर देते हुए

कहा, मैं चाहता था कि चयनकर्ता अब तक नियुक्त कर दिया जाना चाहिये था। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पूर्व चयनकर्ता लुक राइट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंत में पद छोड़ा था और उनकी जग नये चयनकर्ता की तलाश में ईसीबी ने चार माह लगा दिये। जो कि काफी लंबा समया है। यह पद तब से खाली है जब ल्यूक राइट ने 22 जनवरी को घोषणा की थी कि वह छोड़ देंगे, हालांकि उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ा। इसके बावजूद, उनके जगह नये चयनकर्ता को खोजने की प्रक्रिया अब जाकर अपने अंतिम चरण में पहुंची है, ईसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-1 से एशेज में मिली हार के बाद पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के ढांचे की समीक्षा शुरू की थी, जहां प्रबंध निदेशक रॉब की और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने पदों पर बने रहे, लेकिन चयनकर्ता का पद भर नहीं पाया। इस पद के लिए विज्ञापन 18 मार्च को जारी किया गया था और आवेदन 17 अप्रैल तक खुले थे। वहीं ईसीबी ने घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए अपने मौजूदा स्काउट्स के नेटवर्क पर भरोसा किया है। प्रतिभा की पहचान प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए एक नया काउंटी इनसाइट ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें काउंटी कोच और ईसीबी के अधिकारी शामिल हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है चांदी और पारे से बना शिवलिंग

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्यायप्रिय और दंडनायक माना गया है

व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बाथरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल की सेवा में इन नियमों का पालन करना आवश्यक

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी।

आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है। लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है वृंदावन की हर गली और मंदिर

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

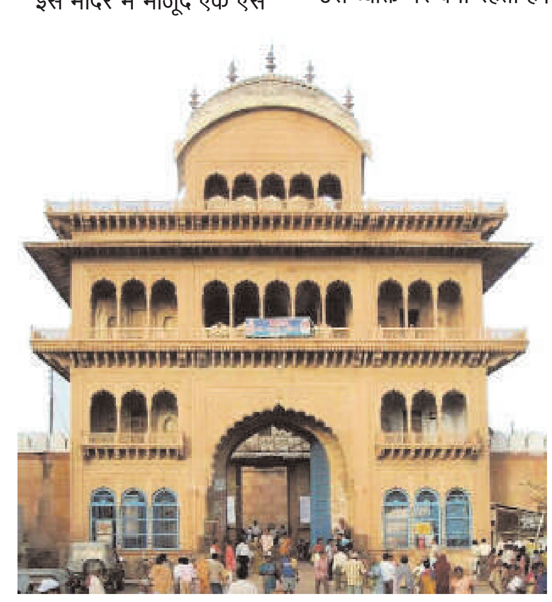

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

क्या शादी कर रही हैं हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

कब करेंगे हुमा और रचित शादी?

एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन होगा शादी में शामिल?

हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि 'थामा' रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी

हुमा को आखिरी बार फिल्म 'सिंगल सलमा' में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' है। 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। हुमा के अलावा 'टॉक्सिक' में नयनतारा और कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तब्बू ने दी फिल्म 'किंग 100' पर बड़ी जानकारी

अभिनेत्री तब्बू जल्द नई फिल्म 'किंग 100' मे नजर आएंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के पहले शेड्यूल के खत्म होने की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें एक्ट्रेस अपने क्रू मेंबर्स के साथ मस्ती करती दिख रही हैं।

क्रू मेंबर्स के साथ खिंचवाई सेल्फी

तब्बू इन दिनों आगामी फिल्म 'किंग 100' को लेकर व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने कुछ फोटोज शेयर किए हैं जिनमें वह अपनी फिल्म के क्रू के साथ दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म की शूटिंग की जानकारी भी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शेड्यूल 1 का अंत'। यह इस बात का संकेत है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

तब्बू और नागार्जुन फिर आएंगे साथ

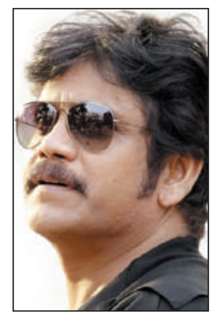

आगामी फिल्म 'किंग 100'से तब्बू साउथ अभिनेता नागार्जुन के साथ लगभग 30 साल बाद नजर आएंगी। आखिरी बार एक्ट्रेस नागार्जुन के साथ साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म 'निन्ने पेल्लादाता' में काम किया था। बीते दिनों तब्बू ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म की जानकारी दी थी। हालांकि फिल्म की कहानी और बाकी कास्ट से जुड़ी कोई जानकारी अभी तक साझा नहीं की गई।

तब्बू और नागार्जुन का वर्कफ्रंट

तब्बू ने हाल ही में रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में अभिनय किया। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। 'भूत बंगला' को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं साउथ सुपरस्टार नागार्जुन को आखिरी बार रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म 'कुली' में देखा गया था। फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया

इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।

अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'।

यह क्रिएटिव फील्ड है यहां टाइम लगता है

दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'।

दीपिका ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'।

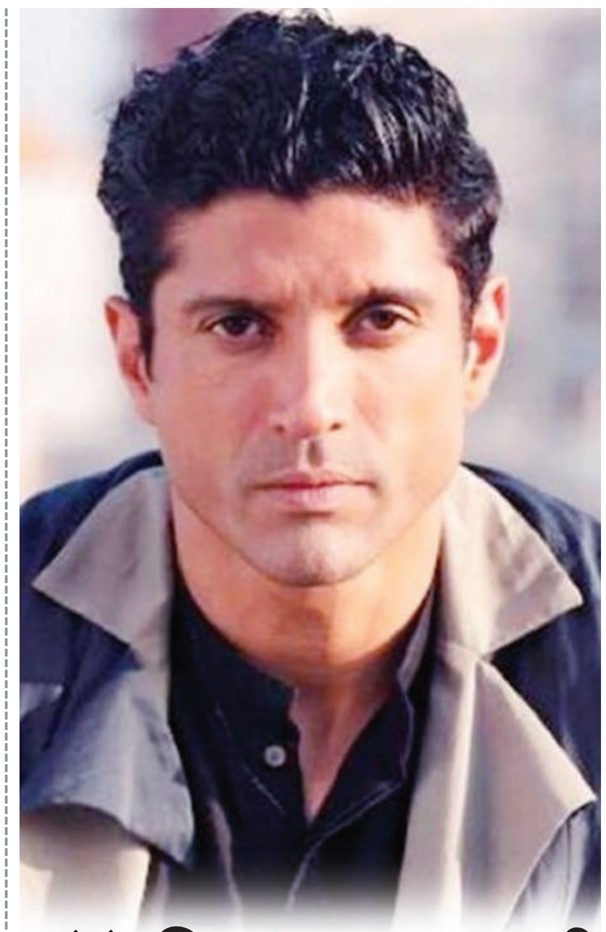

मेरे लिए महत्वपूर्ण फिल्म है 'डॉन 3'

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पिछले काफी वक्त से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली 'डॉन 3' अपनी कास्टिंग को लेकर विवाद में फंस गई है। फिल्म में पहले रणवीर सिंह के लिए जाने और बाद में उनके फिल्म से बाहर होने के चलते, अब फरहान के प्रोडक्शन हाउस ने रणवीर पर हर्जाना देने का दावा किया है। मामला प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया तक भी पहुंच चुका है।

हालांकि, इस सबके बावजूद फरहान अख्तर का कहना है कि फिल्म बंद नहीं हुई है और ये ऐसी कहानी है, जिसे वो जरूर बनाना चाहते हैं। फरहान इस पूरे विवाद के दौरान सीख मिलने की भी बात कही। बातचीत में फरहान अख्तर ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल खासतौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने अप्रत्याशित की उम्मीद करना सीख लिया है। जब तक फिल्म बन न जाए, तब तक किसी भी बात को निश्चित नहीं माना जा सकता। 'डॉन 3' को एक महत्वपूर्ण फिल्म बताते हुए फरहान ने कहा कि फिल्म को बंद नहीं किया जाएगा। यह उन शानदार कहानियों में से एक है, जिसे मैं अब पर्दे पर उतारना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है।

ऋतिक को फिल्म में लेना चाहते थे मेकर्स

खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने स्क्रिप्ट से संतुष्ट न होने के कारण प्रोजेक्ट छोड़ा। उनकी ओर से बाद में ये भी आरोप लगाया गया कि फरहान अख्तर ऋतिक रोशन को फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन धुरंधर की सफलता ने उनका इरादा बदल दिया।

हालांकि, ऋतिक रोशन इन दावों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी भी 'डॉन 3' के लिए संपर्क ही नहीं किया गया।

रणवीर के अचानक फिल्म छोड़ने पर हुआ विवाद

साल 2023 में फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह लीड एक्टर के तौर पर शामिल हुए थे। रणवीर को फिल्म में लेने पर फरहान ने इसे एक नए युग की शुरुआत बताया था। लेकिन फिल्म को लेकर विवाद तब शुरू हुआ, जब रणवीर सिंह ने फिल्म छोड़ दी। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और दावा किया कि रणवीर के अंतिम समय में फिल्म छोड़ने से लगभग 40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मेकर्स ने रणवीर से हर्जाने की मांग भी की है।

इन अपकमिंग फिल्मों में कलाकार निभाएंगे डबल रोल

भारतीय सिनेमा में डबल रोल खूब पसंद किया जाने वाला फॉर्मूला है। 'जुड़वा' (1997) में सलमान खान के डबल रोल को खूब पसंद किया गया। 'जवान' (2023) में भी शाहरुख खान के डबल रोल को काफी सराहना मिली। हाल ही में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी ने फिल्म 'भूत बंगला' में डबल रोल किया है जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। इस खबर में हम आपको बताने वाले हैं कि वह कौन सी अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें कलाकार डबल रोल करने वाले हैं।

टॉक्सिक

4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक्टर दो अलग-अलग लुक्स में नजर आए हैं। वह एक पिता और उसके हमशक्ल बेटे का डबल रोल निभा रहे हैं। 'राया' नाम का एक किरदार ज्यादा उम्रदराज लगता है। जबकि दूसरे, कम उम्र वाले किरदार को 'टिकट' कहा गया है। इसमें कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी नजर आएंगी।

शक्ति शालिनी

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से स्टार बनने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा अब 'शक्ति शालिनी' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। चर्चा है कि यह फिल्म अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई पर आधारित

होगी। इसमें अनीत दो किरदार निभा रही हैं, एक शक्तिशाली रक्षक 'शक्ति' और दूसरी बदला लेने वाली आत्मा 'शालिनी'। इसमें एक्टर विशाल जेठवा भी नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

रामायण और रामायण 2

हाल ही में रणबीर कपूर ने बताया कि वह 'रामायण' में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। वह भगवान राम और भगवान परशुराम, दोनों का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में साई पल्लवी सीता के किरदार में और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। 'रामायण' पार्ट 1 दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। वहीं 'रामायण' पार्ट 2 अगले साल दिवाली 2027 को रिलीज होगी।

एनिमल पार्क

फिल्म 'एनिमल' (2023) में रणबीर कपूर ने रणविजय का किरदार निभाया था। फिल्म के आखिर में, अजीज हक नाम का एक और किरदार नजर आया था। इसने रणविजय जैसा दिखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' में रणबीर, रणविजय और अजीज, दोनों का डबल रोल निभाएंगे। रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग 2027 में शुरू होने वाली है।

कल्कि 2898 AD पार्ट 2

'कल्कि 2898 AD (2024) के क्लाइमेक्स में खुलासा हुआ था कि प्रभास का किरदार भैरव, महाभारत के कर्ण का पुनर्जन्म है। फिल्म के सीक्वल 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' में, प्रभास कर्ण और भैरव, दोनों किरदारों में नजर आएंगे। इसमें दीपिका पादुकोण की जगह साई पल्लवी को लिया गया है। 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' के 2026 के आखिर या 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।